A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 23 जनवरी, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 114, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

नए बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत की दरकार

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है।

देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं (Fast Moving Consumer Goods - FMCG) के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं।

केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात् इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात् वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से भी जुड़े हैं। यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद्द तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद्द तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुनः कहीं गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाए।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

शीशे में साज़िशों के उतारा गया हमें
चारों तरफ़ से घेर के मारा गया हमें
सारे अज़ीम लोग तमाशाइयों में थे
जब इक अना के दाँव पे हारा गया हमें
गोया कि हम भी आगरे से आये हों मियाँ
पहले-पहल तो खूब नकारा गया हमें
ख़ुश होइए कि रोइए महफ़िल में यार की
जब लौट आये हम तो पुकारा गया हमें
ये कोई इत्तिफ़ाक़ नहीं जान-बूझकर
उनकी गली से आज गुज़ारा गया हमें।

- इरशाद खान सिकंदर

जलगांव में बड़ा रेल हादसा, 11 की मौत

- पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से ट्रेन से कूद गए पैसेंजर्स
- दूसरे ट्रैक से आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति ने कुचला, 40 घायल

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार को बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां परधाड़े रेलवे स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई। घबराए यात्री ट्रेन से कूद गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ने कई यात्रियों को कुचल दिया। न्यूज एजेंसी ने बताया कि ट्रेन से कुचलकर 11 लोगों की मौत हुई है। करीब 40 लोग घायल हैं। सेंट्रल रेलवे के भुसावल डिवीजन के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जहां घटना हुई, उस जगह पर शार्प टर्न था। इस वजह से दूसरे ट्रैक पर बैठे पैसेंजर्स को ट्रेन के आने का अंदाजा नहीं लगा।

कर्नाटक में 50 मीटर गहरी खाई में गिरा ट्रक, 10 की मौत

उत्तर कन्नड़ (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के येल्लापुरा में बुधवार सुबह एक ट्रक 50 मीटर गहरी खाई में गिर गया। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सावनूर से फल और सब्जियां ले जा रहे ट्रक में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। येल्लापुर में लगे मेले में इन फल-सब्जियों को पहुंचाया जा रहा था। इसी दौरान सुबह करीब 5 बजे सावनूर-हुबली हाईवे पर ट्रक ड्राइवर दूसरे वाहन को साइड देने के चक्कर में कट्रोल खो दिया और खाई में गिर गया। एसपी एम नारायण ने बताया कि हादसे की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। 15 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें कुछ गंभीर रूप से घायल हुए।

नीतिश ने मणिपुर के जेडीयू अध्यक्ष को किया बर्खास्त

कहा-हम एनडीए के साथ

पटना (एजेंसी)। नीतिश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन सिंह को पट से हटा दिया है। वीरेन सिंह ने मणिपुर सरकार में बीजेपी से जेडीयू का समर्थन वापस लेने का पत्र जारी किया था। इसी संबंध में पार्टी की ओर से यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि समर्थन वापसी के पत्र में जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा कि मणिपुर में पार्टी के 5 विधायक पहले ही बीजेपी में जा चुके थे। अभी जेडीयू का सिर्फ एक ही विधायक है, जो बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा नहीं है। वीरेन सिंह ने मणिपुर के राज्यपाल को समर्थन वापसी का पत्र भेजा। इसमें आगे कहा गया कि राज्य में फिलहाल जेडीयू के एकमात्र विधायक अब्दुल नासिर हैं, उन्हें सदन के अंदर विपक्षी सदस्य के तौर पर माना जाए।

हार के डर से आपदा वाले अब कर रहे नई घोषणाएं

- पीएम मोदी बोले-दिल्ली की जनता अब जान गई है आपदा वाला खेल
- कार्यकर्ताओं से कहा-वे कहते हैं फिर आएंगे, जनता कहती है फिर खाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहा- दिल्ली की जनता आपदा का का खेल जान गई है। उनकी पोल खुल गई है। भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता निकल पड़ी है। हार के डर से आपदा वाले रोज-रोज नई-नई घोषणा करते हैं। वे नारे लगाते हुए कहते हैं कि फिर आएंगे, फिर आएंगे, लेकिन जनता कहती है कि फिर खाएंगे, फिर खाएंगे। उन्होंने नमो ऐप के जरिए कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा- 5 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है। ठंड कितनी भी हो, हमें सुबह से ही मतदान की तीव्रता को पहुंचाना है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी ने संकट में डाला हुआ है। दिल्ली को आपदा से मुक्त कराना है। ऐसा होगा, तभी दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का संकल्प सिद्ध होगा। मोदी ने कहा कि आप भी जानते हैं कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। बीते 10 वर्षों में गरीब से गरीब को भी पक्का घर, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं पहली बार मिली। झुग्गी में रहने वाले साथियों को भाजपा सरकार बड़ी संख्या में पक्के घर दे रही है। आप टीम लीडर हैं, मेहनती हैं तो जरूर लोगों से बातचीत होती होगी। क्या अनुभव रहा। पीएम मोदी ने 3 जनवरी को कहा था कि बीते 10 साल में दिल्ली एक बड़ी आपदा से घिरी है। अन्ना

हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आपदा में धकेल दिया। शराब ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, प्रदूषण से लड़ने के नाम पर घोटाला। पीएम ने कहा था- दिल्ली वालों ने आपदा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। बेईमान लोगों ने दिल्ली को आपदा में धकेल दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भोपाल के सबसे बड़े नव निर्मित फ्लाई-ओवर का करेंगे उद्घाटन

154 करोड़ की लागत से बना है 2900 मीटर लंबा फ्लाई-ओवर

फ्लाई-ओवर यातायात प्रबंधन में होगा सहायक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, गुरुवार 23 जनवरी को गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर के बीच 154 करोड़ रूपये की लागत से नव निर्मित भोपाल के सबसे बड़े फ्लाई-ओवर का उद्घाटन करेंगे। यह फ्लाई-ओवर शहर के यातायात प्रबंधन में महती सुधार लाने में सहायक होगा। साथ ही यात्रियों को राहत प्रदान करेगा। समारोह में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

भोपाल शहर में मैदा मिल मार्ग पर गायत्री मंदिर से डीबी मॉल चौराहा, बोर्ड ऑफिस चौराहा, प्रगति चौराहा से मानसरोवर कॉम्प्लेक्स होते हुए गणेश मंदिर तक निर्मित फ्लाई-ओवर 2900 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा है। यह मैदा

मिल मार्ग को विद्या नगर, शक्ति नगर, कस्तूरबा नगर, साकेत नगर, दानिश नगर, आशिमा मॉल और एम्स जैसे प्रमुख रिहायशी और वाणिज्यिक क्षेत्रों से जोड़ता है। इसके अलावा, औबेदुल्लागंज, नर्मदापुरम, बैतूल, खंडवा और जबलपुर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह मार्ग को सुगम बनाएगा। यह फ्लाई-ओवर डी.बी. मॉल, बोर्ड ऑफिस, प्रगति पेट्रोल पंप और मानसरोवर चौराहे जैसे भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों पर यातायात का दबाव कम करेगा। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार 60त्न यातायात इस फ्लाई-ओवर से गुजरेगा, जबकि शेष 40त्न यातायात पुराने मार्गों का उपयोग करेगा। फ्लाई-ओवर की एक शाखा डी.बी. मॉल चौराहे से भोपाल हाट (मंत्रालय मार्ग) की ओर जाती है, जिससे वल्लभ भवन तथा अरेरा हिल्स पर स्थित समस्त राज्य स्तरीय कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मचारियों को पीक आर्वस में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। यातायात सुगम हो जाने से नागरिकों को अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचने में समय की बचत होगी और वाहन प्रदूषण में भी कमी आयेगी, जिससे भोपाल शहर के नागरिकों को राहत मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर का बधाल गांव अब कंटेनमेंट जोन

3 और नए मरीज मिलने के बाद एक्टिव हुई सरकार

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के गांव बधाल को कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। यहां रहस्यमयी बीमारी से 44 दिनों में 3 परिवारों के 17 लोगों की मौत के बाद बुधवार को यह फैसला लिया गया। यहां अब भीड़ इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। मंगलवार को एक और बुधवार को दो मरीज और सामने आए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को 25 साल के युवक एजाज अहमद की तबीयत बिगड़ी थी। पहले उसे जीएमसी जम्मू लाया गया था। फिर पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया। गांव में हुई मौतों की वजह अभी सामने नहीं आई है। गांव में 7 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच संदिग्ध परिस्थितियों में ये मौतें हुई हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गांव में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इसके बाद प्रशासन ने गांव को कंटेनमेंट जोन बनाने का फैसला लिया। पहला जोन उन परिवारों को कवर कर रहा है, जिनमें मौतें हुई हैं। इन परिवारों के घरों को सील कर दिया गया है और सभी लोगों के लिए यहां पर एंट्री बैन कर दी गई है। परिवार वालों को भी यहां जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार,23 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर वंदेभारत को दौड़ाने की तैयारी

● मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में होगी और देरी ● तब तक चलेंगी वंदे भारत ट्रेन,रेलवे ने बनाया बड़ा प्लान

मुंबई/नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत के पहले हाई-स्पीड मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर के लिए जापानी शिंकानसेन बुलेट ट्रेनों की खरीद के सौदे को अंतिम रूप देने में अत्यधिक देरी के बीच रेल मंत्रालय ने एक सिग्नलिंग सिस्टम के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसमें 280 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम डिजाइन गति वाली वंदे भारत ट्रेनों को इस खंड पर चलाने की अनुमति देगी। मंत्रालय ने पहले दावा किया था कि शिंकानसेन ट्रेनें अगस्त 2026 तक सूरत-बिलिमोरा खंड पर अपनी शुरुआत करेंगी। अब यह स्पष्ट है कि ये हाई-स्पीड विशेष ट्रेनों का 2030 से पहले संचालन नहीं हो पाएगा।

पूरे कॉरिडोर पर शिंकानसेन ट्रेनों का संचालन-जिसकी आधारशिला सितंबर 2017 में रखी गई थी। सूत्रों ने कहा कि यह काम 2033 तक ही पूरा हो पाएगा। यह तब स्पष्ट हुआ जब पिछले सप्ताह नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचआरएससीएल) ने वंदे भारत ट्रेनों को चलाने के

लिए सिग्नलिंग सिस्टम के लिए निविदा प्रकाशित की, जिसे भारत की स्वदेशी बुलेट ट्रेनों के रूप में विकसित किया जा रहा है। निविदा दस्तावेज के अनुसार, सफल बोलीदाता को सिग्नलिंग और ट्रेन नियंत्रण प्रणाली का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव करना होगा। यह यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण प्रणाली (ईटीसीएस) लेवल-2 होगी, जो शिंकानसेन ट्रेनों के लिए जापानी डीएस-एटीसी सिग्नलिंग से अलग है।

200 पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में हुई दूल्हा-दुल्हन की एंट्री

राजस्थान की अनोखी शादी, जातिवाद और विरोध का था खतरा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीनगर गांव में एक अनोखी शादी हुई। दूल्हा विजय उर्फ गोपाल और दुल्हन अरुणा की शादी में न सिर्फ पारंपरिक रिवाजों का पालन किया गया, बल्कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए थे। मंगलवार दोपहर को विजय की बारात उसके गांव श्रीनगर से दुल्हन के गांव लावेरा के लिए रवाना हुई, जो लगभग 8 किलोमीटर दूर था। शादी का यह आयोजन सामान्य रूप से होता,

लेकिन इस बार इसके साथ एक असामान्य सुरक्षा व्यवस्था भी जुड़ी थी। विजय ने बिंदोली समारोह के तहत घोड़ी पर बैठकर अपनी शादी की यात्रा पूरी की, लेकिन इस बार घोड़ी और बारात को अजमेर के नसीराबाद से 200 पुलिसकर्मियों की निगरानी में निकाला गया। दरअसल, इस इलाके में जातिवाद और विरोध का खतरा था, जो प्रशासन ने समय रहते समझ लिया। दुल्हन अरुणा के पिता, नारायण खोरवाल, जो अनुसूचित जाति के रैगर समुदाय से आते हैं, ने यह तय करने के लिए प्रशासन से मदद मांगी कि शादी का आयोजन शांति से हो।

सैफ अली खान के घर बयान दर्ज करने पहुंची मुंबई पुलिस

● ऐक्टर ने अस्पताल पहुंचाने वाले ऑटो ड्राइवर से की मुलाकात,मां शर्मिला ने शुक्रिया कहा

मुंबई (एजेंसी)। 15 जनवरी की रात हमले में घायल होने के बाद एक्टर सैफ अली खान ऑटो से लीलावती अस्पताल पहुंचे थे। 21 जनवरी को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उन्होंने उसी ऑटो ड्राइवर भजन सिंह से मुलाकात कर शुक्रिया कहा। सैफ की मां शर्मिला ने भी सैफ को समय रहते अस्पातल पहुंचाने के लिए शुक्रिया कहा। इधर, हमले के 6 दिन बाद बांद्रा पुलिस सैफ अली खान का बयान दर्ज करने उनके घर पहुंची है। मुंबई पुलिस ने आरोपी शरीफुल को 19 जनवरी की देर रात गिरफ्तार किया था। इस केस की जांच अब सुदर्शन गायकवाड़ की जगह अजय लिंगनुरकर को सौंपी गई है। इनको हटाने की वजह नहीं बताई गई। मुंबई पुलिस ने मंगलवार सुबह और देर रात क्राइम सीन रीक्रिएट किया था। पुलिस आरोपी शरीफुल इस्लाम को सैफ के घर से करीब 500 मीटर

दूर ले गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी बाथरूम की खिड़की से ही सैफ के घर में घुसा था और हमले के बाद यहीं से बाहर भी निकला।

अमेरिका में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक

● जयशंकर की अमेरिकी विदेश मंत्री और एनएसए से मुलाकात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की शपथ के बाद मंगलवार को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। नए ट्रम्प प्रशासन में होने वाली ये पहली बड़ी बैठक थी। इसमें मीटिंग में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने भी हिस्सा लिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ये पहली बैठक थी। वे पद संभालने के महज 1 घंटे बाद ही इसमें शामिल हुए। इसमें ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग और जापान के इवाया ताकेशी शामिल हुए। चारों नेताओं ने ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस बैठक को सहयोगी के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता के तौर पर बताया। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर मीटिंग के लिए सहयोगियों को धन्यवाद दिया। जयशंकर और रुबियो के बीच द्विपक्षीय बैठक क्वाड की मीटिंग के बाद भारतीय और अमेरिकी विदेश मंत्रियों के बीच पहली द्विपक्षीय बैठक भी हुई। ये बैठक 1 घंटे से ज्यादा देर तक चली।

रेप-मर्डर के दोषी-विक्टिम फैमिली को सुनेगा कलकत्ता हाईकोर्ट

● सीबीआई ने कहा-फांसी के लिए अपील हमारा अधिकार, राज्य सरकार का नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर रेप-मर्डर केस में दोषी संजय रॉय की सजा के खिलाफ बंगाल सरकार की अपील पर फैसला करने से पहले कलकत्ता हाईकोर्ट दोषी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेगा। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा कि बंगाल सरकार की याचिका मंजूर करने से पहले हम इन पक्षों की बात सुनेंगे। सुनवाई 27 जनवरी को होगी। बंगाल सरकार ने अपील में कहा था कि संजय रॉय ने जो अपराध किया है, उसके लिए उम्रकैद पर्याप्त नहीं है। उसे फांसी दी जानी चाहिए। सियालदह कोर्ट ने 20 जनवरी को संजय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जस्टिस अनिर्बान दास ने कहा था कि यह मामला रेयरस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में नहीं आता, इसलिए फांसी की सजा नहीं दी गई है। सीबीआई ने बंगाल सरकार की

याचिका का विरोध किया हाईकोर्ट में जस्टिस देबांगशु बसक और जस्टिस मो. शब्बार राशिदी की बेंच के सामने सीबीआई के वकील ने बंगाल सरकार की याचिका दाखिल करने का विरोध किया।

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ से चलेंगी 150 स्पेशल ट्रेनें

रेलवे का दावा-हर 4 मिनट में एक ट्रेन मिलेगी,प्रयागराज के सभी 9 स्टेशनों पर सुविधा

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ हो गई है। मकर संक्रांति के दिन महाकुंभ के पहले अमृत स्नान पर उम्मीद से अधिक लगभग 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया था। अब तक 9 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। इसे देखते हुए महाकुंभ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिए रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रयागराज रेल मंडल ने भी मौनी अमावस्या के दिन करोड़ों की संख्या में आने वाले

श्रद्धालुओं के लिए 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना तैयार कर ली है, जो अपने आप में भारतीय रेलवे के लिए एक रिकॉर्ड होगा। सभी 9 स्टेशनों से होगा संचालन मकर संक्रांति पर प्रयागराज रेल मंडल ने 101 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई थीं। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड था। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम स्नान करेंगे। इनमें से दस से बीस फीसदी श्रद्धालुओं के ट्रेन से आने का अनुमान है। ट्रेनों के अवागमन के साथ यात्रियों के ठहरने और सही ट्रेनों तक पहुंचने के लिए कलर कोडिंग की गई है।

योगी ने 54 मंत्रियों के साथ लगाई डुबकी

मंत्रिपरिषद की बैठक की,7 जिलों का नया धार्मिक सर्किट बनाने का ऐलान

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी में 7 जिलों को मिलाकर नया धार्मिक सर्किट बनेगा। योगी ने महाकुंभ में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद ऐलान किया। कहा- धार्मिक सर्किट में प्रयागराज, काशी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और भदोही जिले शामिल होंगे। बैठक के बाद योगी और 54 मंत्री अरैल घाट से स्टीमर के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। रास्ते में साइबेरियन पक्षियों और मछलियों को योगी ने नमकीन खिलाई। इसके बाद संगम में योगी और सभी 54 मंत्रियों ने स्नान किया। इधर, मंत्रिपरिषद बैठक पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा। कहा- कुंभ में मंत्रिपरिषद बैठक करना गलत है। कुंभ वो स्थान नहीं है, जहां पर राजनीतिक कार्यक्रम और फैसले लिए जाएं। मंत्रिपरिषद बैठक से पहले सुबह यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने संगम में स्नान किया। इसके बाद खुद मोटर बोट चलाई।

भोपाल में दो दिवसीय राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता शुरू

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 130 छात्र लेंगे हिस्सा, 34 प्रतियोगिताएं होंगी

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आज शुभारंभ किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के संरक्षण में होने वाले इस कार्यक्रम में कुल 130 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में शास्त्रों का संरक्षण इस तरह की प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की।

दो दिवसीय इस आयोजन में व्याकरण शलाका, साहित्य शलाका, ज्योतिष शलाका, साहित्य भाषण, व्याकरण भाषण, प्रश्नमंच, अक्षर श्लोकी और समस्यापूर्ति सहित कुल 34 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। पहले दिन व्याकरण शलाका, ज्योतिष शलाका, साहित्य शलाका और कंठपाठ प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं।

प्रतियोगिताओं के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रागिनी शर्मा ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. दिनेश कुमार गर्ग और सारस्वत अतिथि प्रो. शोभा मिश्रा भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने प्रतिभागियों को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

बाबू को कर्ज लेकर रिश्वत दी, उसी ने पीटा

भिंड में क्लर्क ने महिला को तहसील में बेइज्जत किया, 50 बार ऑफिस आ चुकी थी

भिंड (नप्र)। 23 साल पहले अति गरीब मजदूरों को खेती के लिए 5 बीघा जमीन का पट्टा मिला था। सरकारी रिकॉर्ड में इसे ऑनलाइन दर्ज कराने एसडीएम से लेकर पटवारी तक गुहार लगाई, रिश्वत भी दी, फिर भी न्याय नहीं मिला। 6 महीने तक तहसील कार्यालय में आवेदन दिया। वहां क्लर्क नवल किशोर गौड़ ने पहले तो आवेदन लेने से ही मना कर दिया। जब बार-बार गुहार लगाई, तो क्लर्क ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।

गरीबी में गुजर-बसर करने के बाद भी ब्याज पर 10 हजार रुपए उधार लेकर क्लर्क को दिए। उम्मीद थी कि अब काम हो जाएगा, लेकिन रिश्वत लेने के बाद भी उन्हें बार-बार टाला जाता रहा। उल्टा, जब हक की बात उठाई तो उसे दफ्तर में ही जूतों से पीटा गया।

यह दर्द है भिंड जिले की गोहद तहसील के लोधे की पाली में रहने वाले 55 साल की दीपा जाटव का। सोमवार (20 जनवरी) को तहसील ऑफिस में काम कराने के लिए पहुंची तो क्लर्क नवल किशोर गौड़ ने महिला को जूतों से मारा।

50 चक्कर लगाने के बाद भी नहीं हुआ काम

दीपा जाटव का कहना है की 5 एकड़ जमीन का पट्टा उन्हें साल 2002 मिला था। इस जमीन को ऑनलाइन दर्ज करवाने के लिए वह गोहद तहसील कार्यालय के चक्कर काट रही थीं। 6 महीने पहले क्लर्क नवल किशोर गौड़ ने कहा-मैं तुम्हारा काम करवा दूंगा 10 हजार रुपए लगेंगे। इसके बाद हमने कर्ज लेकर रुपए दे दिए। इसके बाद जब भी वह या उसका पति तहसील जाते थे तो क्लर्क दस-पंद्रह दिन का समय देकर टाल देता था।

दीपा ने बताया कि छह महीनों में वह और उनका परिवार 50 से ज्यादा बार तहसील कार्यालय के चक्कर काट चुका था। हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर उन्हें लौटा दिया जाता। कभी 'आजकल हो जाएगा', 'अभी सर्वर काम नहीं कर रहा', तो कभी 'और कागज लाओ' कहकर टाल दिया जाता था। सोमवार को जब दीपा अपने पति के साथ फिर तहसील पहुंचे और अपनी जमीन के कागज दिखाकर क्लर्क से काम करने की गुहार लगाई, तो वह झुंझलाकर बोला– तुम्हारा पट्टा ऑनलाइन नहीं कर सकते। जब सवाल किया कि अगर काम नहीं होना था, तो रिश्वत क्यों ली? इस पर वह अभद्रता करते हुए गालियां देने लगा और थप्पड़ और जूता निकालकर मारने लगा। वहां मौजूद लोगों ने बचाया था।

गरीबी में जी रही, बेटों की कमाई से गुजारा– लोधे की पाली गांव में दीपा का परिवार तंगहाली में जीवन गुजार रहा है। पांच कमरों के घर में आरसीसी की छत तक नहीं है। बस टीन सेट लगा हुआ था। दरवाजे की जगह पर्दे लगे थे। दीपा और उसका पति मजदूरी कर रहा है तो उनके दोनों बेटे गुजरात में मजदूरी कर रहे हैं। संपत्ति के नाम पर उनके पास सिर्फ एक छोटा सा घर है। एक भैंस और सरकारी पट्टे की जमीन थी, जिसे पाने के लिए वह सालभर से संघर्ष कर रही थीं। लेकिन सरकारी अफसरों की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण उन्हें न्याय नहीं मिल रहा था। उल्टा, रिश्वत देकर भी उन्हें जलील होना पड़ा।

मारपीट के समय मौजूद था पुलिसकर्मी

सोमवार दोपहर जब पीड़िता दीपा से जूतों से मारपीट की गई उस समय एक पुलिसकर्मी सहित तहसील में पदस्थ अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। इस दौरान पुलिसकर्मी ने क्लर्क से महिला को बचाने का प्रयास भी किया था।

गर्म तेल की कड़ाही में गिरा मासूम, मौत

भोपाल में भाई की सगाई में आया था दो साल का अक्षांश, खेलते-खेलते पिता के सामने गिरा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में दो साल का मासूम गर्म तेल की कड़ाही में गिर गया। परिजन तुरंत उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसा बच्चे के बड़े भाई (ताऊ के बेटे) की सगाई समारोह के दौरान हुआ। बच्चे की मौत के बाद परिवार सदमे में है। उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वह कई बार बच्चे को याद करते हुए बेहोश हो जाती हैं। होश में आकर फिर से रोने लगती हैं। मामला निशातपुरा थाना क्षेत्र का है। एएसआई सुखबीर यादव ने बताया, शिव नगर में रहने वाले राजेश साहू का इलेक्ट्रॉनिक्स का

शोरूम है। राजेश के दो बेटे अक्षांश उर्फ अक्षांश (2) और आरू (7) हैं। 20 जनवरी सोमवार को राजेश के परिवार में सगाई का कार्यक्रम संस्कार गार्डन में था। कार्यक्रम लगभग खत्म हो गया था और हलवाई भी चले गए थे। परिवार के सदस्य एक साथ बैठकर खाना खा रहे थे। तभी दो साल का अक्षांश खेलते-खेलते गर्म तेल की कड़ाही के पास पहुंच गया। पिता की नजर पड़ी तो वह बच्चे की तरफ दौड़े, लेकिन तब तक वह कड़ाही में गिर गया था। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे।

एक दिन चले इलाज के बाद मौत

अस्पताल में डॉक्टर ने बताया बच्चा 50 प्रतिशत तक झुलस गया है। मंगलवार की रात अक्षांश ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चबूतरे से फिसलकर सीधे कड़ाही में गिरा– मृतक अक्षांश के चाचा विनोद साहू ने बताया कि गार्डन की रसोई में तेल से भरी कड़ाही रखी थी। वहां पर बने चबूतरे से स्लिप होने के बाद अक्षांश कढ़ाई में गिर गया। तत्काल उसे बाहर निकाला लेकिन वह काफी हद तक जल चुका था। बच्चे को सीधा बंसल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ट्रैफिक मित्र अभियान में 200 वॉलंटियर्स दे रहे सेवाएं

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संभाल चुके ट्रैफिक, जागरूकता का दे रहे संदेश

इंदौर (नप्र)। इंदौर में ट्रैफिक मित्र अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को 21 दिन हो गए। अब केवल चार दिन ही बचे हैं। इंदौर के ट्रैफिक सुधार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस अभियान को महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में शुरू किया गया था। शुरुआत साल के पहले दिन एक जनवरी से एबी रोड के 14 चौराहों पर 5 संकल्पों के साथ शुरू हुआ था। ट्रैफिक मित्र चैलेंज 20 दिनों का सफर पूरा कर चुका है। इस अभियान में आमजन से लेकर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बताया जा रहा है कि यह अब तक की सबसे बड़ी और सतत चलने वाली ड्राइव बन चुकी है।

ये है इसकी विशेषताएं

* हर दिन 200 से ज्यादा वॉलंटियर्स अपने निःस्वार्थ भाव से ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने में लगे हैं।
* इस अभियान के तहत इंदौर शहर ने 2025 तक सुरक्षित और अनुशासित ट्रैफिक का सपना साकार करने का लक्ष्य तय किया है।
* इस अनूठे मॉडल में हर आयु वर्ग के लोग, बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष शामिल हो रहे है। अभियान में 10 साल के बच्चे लेकर 60 साल के वरिष्ठ लोग अपनी सेवा दे रहे हैं।
* अभियान में स्टूडेंट्स, टीचर्स, डॉक्टर्स, गृहणियां, व्यापारी यहां तक की हास्य कलाकारों ने भी ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में अपना योगदान दिया है।
* हर वॉलंटियर की उपस्थित रोज दर्ज की जाती है और अभियान के अंत में उनके योगदान को सम्मानित किया जाएगा।
* अभियान को इंदौर के महापौर और इंदौर पुलिस कमिश्नर की संयुक्त पहल ने गति दी है।
* वॉलंटियर्स को देखकर अब कई लोग सीट बेल्ट और हेलमेट लगाते हैं। स्टॉप लाइन के पहले अपनी गाड़ी रोककर उन्हें अंगूठा दिखाकर धन्यवाद भी करते हैं।
* कई लोग वॉलंटियर्स को चॉकलेट और अन्य चीजें देकर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं।
* अभियान में सबसे अधिक भागीदारी बेटियों और महिलाओं की रही है।
* सभी चौराहे पर एक स्क्वायर लीडर के साथ टीम नियुक्त है।
* चौराहों के साथ-साथ शहर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स, डिजिटल स्क्रीन, सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

ये दे रहे हैं सेवाएं

* एक टीचर दीपक त्रिपाठी ने अपनी क्लास 25 दिनों के लिए बंद कर विजय नगर चौराहे पर योगदान दिया।
* इंडस्ट्री हाउस तिराहे पर एक बालिका 15 किमी दूर से रोजाना केवल लोगों को जागरूक करने आती है।
* शादी के बावजूद युवक महेंद्र परमार अपने साथियों को अभियान से जुड़े हैं। उन्हें जब भी समय मिलता है, खुद ट्रैफिक मैनेजमेंट में मदद कर रहे हैं।
* कालका धाम के मुख्य पुजारी अपनी टीम के साथ सेवा देने आए।

जन भागीदारी से बना अनूठा मॉडल

शहर में ट्रैफिक मित्र चैलेंज में वॉलंटियर्स सेवा भाव से रोजाना ट्रैफिक को सुचारू बनाने में जुटे हैं। इस अभियान ने इंदौर को देशभर के लिए जनभागीदारी का सबसे अनूठा मॉडल बना दिया है। खास बात यह है कि अभियान की रोजाना की गतिविधियों को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया जाता है।

सड़क हादसे में पिता की मौत, बेटा गंभीर घायल

बाइक से दुकान का सामान लेकर घर लौट रहे थे, कार चालक ने टक्कर मारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के समीप तिल्लौर में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि उसका बेटा गंभीर घायल है। उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार ने आरोप लगाया कि एमवाय अस्पताल में करीब चार घंटे तक ठीक से उपचार नहीं मिलने के चलते पिता की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक राकेश वर्मा (42) निवासी तिल्लौर खुर्द की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि उसका बेटा यश(20) गंभीर घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक घर से 1 किलोमीटर पहले उन्हें एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद गंभीर हालत में उन्हें एंबुलेंस से एमवाय भेजा गया था। यहां रात 3 बजे के लगभग राकेश ने दम तोड़ दिया। परिवार ने बताया कि हादसा रात 11 बजे हुआ था। आधे घंटे बाद वह एमवाय पहुंचे थे। हादसे के बाद भी वह परिवार से बातचीत कर रहे थे। लेकिन राकेश को देर रात तक इमरजेंसी वार्ड में ही रखा। ठीक से इलाज नहीं होने के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। बाद में परिजन यश की हालत देखते हुए उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे।

दोपहर में बेटे के लिए लड़की देखकर आए

परिजनों ने बताया कि राकेश अपने बेटे यश और परिवार के लोगों के साथ मंगलवार सुबह कार से लड़की देखने उज्जैन गए थे। यहां से वापस आने के बाद बेटे ने दुकान का सामान लाने की बात कही। इस दौरान दोनों रात करीब 8 बजे बाइक से पालदा इलाके में सामान लेने आए। यही से वापस जाते वक्त हादसे का शिकार हो गए।

सैलून का काम काज

परिवार के मुताबिक राकेश की तिल्लौर में ही सैलून पार्लर है। यश पढ़ाई के साथ अपने पिता के दुकान पर ही हाथ बंटाता है। परिवार में एक बेटी पत्नी के साथ बड़े भाई और माता पिता भी साथ ही रहते है।

पीलिया खाल नाले को देखने पहुंचे महापौर भार्गव

विकास और सफाई कार्यों का जायजा लिया, कहा- अगली मेयर इन काउंसिल की बैठक यहीं होगी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में स्वच्छता का एक और नवाचार किया गया है। शहर के पीलिया खाल नाले का सौंदर्यीकरण का काम पूरा हो गया है। बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव यहां पहुंचे। उन्होंने यहां की सफाई और विकास कामों को देखा और कहा कि मेयर इन काउंसलिंग की बैठक यहां की जाएगी। दरअसल, महापौर ने इंदौर में स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए विभिन्न कामों के अंतर्गत आज पीलिया खाल नाले का दौरा किया। विदित है कि पीलिया खाल नाले में बारिश का पानी जमा होता है। साथ ही यहां पर बड़ी मात्रा में गाद और गंदगी भी होती है। पिछले दिनों महापौर ने यहां का दौरा किया था और यहां की सफाई और सौंदर्यीकरण करने के लिए कहा था। उसी काम को देखने के लिए महापौर यहां पहुंचे थे। उन्होंने सूखे नाले का दौरा किया। उन्होंने यहां के कुछ कामों को तेजी से पूरा करने और सूखे नाले में विभिन्न एक्टिविटी करवाने के लिए कहा है। साथ ही उन्होंने इस नाले में मेयर इन काउंसिल की आगामी बैठक करने के लिए भी कहा है। महापौर के साथ पार्षद भरत सिंह रघुवंशी, संध्या जायसवाल, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे, स्वास्थ्य अधिकारी और विभाग अधिकारी मौजूद रहे।

घरों के बाहर खड़ी कारों के कांच फोड़े

सीसीटीवी में दिखे एक्टिवा सवार दो बदमाश; तलाश में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में बदमाशों ने कारों में तोड़फोड़ कर दी। पीड़ित ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपे है। पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पीड़ित के मुताबिक सीसीटीवी सौंपने के बाद भी अन्नपूर्णा पुलिस ने अभी मामले में आवेदन लिया है। अन्नपूर्णा इलाके की प्रिकांको कॉलोनी में प्रमोद शर्मा अपने परिवार के साथ रहते है। उन्होंने बताया कि 9 जनवरी से वह तीर्थयात्रा पर गए थे। उनके पास 20 जनवरी की रात पड़ोस में रहने वाले ईश्वर भारद्वाज का कॉल आया। पड़ोसी ने बताया कि घरों के बाहर खड़ी कारों में बदमाशों ने पथराव किया है। जिसमें उनकी भी कार के कांच बदमाशों ने फोड़ दिए है। मामले में उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी। मौके पर पहुंची एफवीआर ने थाने जाकर शिकायत करने की बात कही। इसके बाद प्रमोद मंगलवार को इंदौर पहुंचे और अन्नपूर्णा थाने में घटना की शिकायत की। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पास बाइक से आए आरोपियों के फुटेज है। जिसमें वह कारों में तोड़फोड़ करते हुए दिख रहे है। मामले में पुलिस ने उनसे लिखित शिकायत लेकर जांच की बात कही। फिलहाल दो दिन बाद भी पुलिस फुटेज में दिख रहे आरोपियों के बारे में जानकारी नही निकाल पाई है।

दिन के तापमान में गिरावट, 26 से ठंड का एक दौर और आएगा

इंदौर(नप्र)। दिन के तापमान में कुछ कमी आई है। 28 डिग्री से घटकर तापमान 27.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। वहीं रात के तापमान में भी कमी आई है। रविवार रात को पारा 13.2 डिग्री था, मंगलवार को दोपहर में हवा की दिशा उत्तरी होते ही ठंडक का एहसास होने लगा। 26 जनवरी से ठंड का एक दौर और आ सकता है। तापमान फिर से घटकर 10 डिग्री तक जा सकता है।

इंदौर के फोटोग्राफर का 14 पेज का सुसाइड नोट

पत्नी और सास 20 लाख मांग रही राजस्थान पुलिस ने 50 हजार रिश्वत मांगी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पत्नी और ससुरालवालों की प्रताड़ना से तंग आकर 28 साल के युवक ने सुसाइड कर लिया। फांसी लगाने से पहले उसने 14 पेज का सुसाइड नोट लिखा, जिसमें पत्नी, सास और दो सालियों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। बाणगंगा के यादव नंद नगर में रहने वाले इवेंट फोटोग्राफर और कैफे संचालक नितिन (28) पडियार ने सोमवार रात को सुसाइड कर लिया था। सुसाइड नोट में नितिन ने आरोप लगाया कि पत्नी हर्षा शर्मा के परिवार ने कभी उनकी शादी को स्वीकार नहीं किया। 2019 में शादी हुई, इसके छह महीने बाद से विवाद शुरू हो गया। 2024 में हर्षा ने नितिन, जेठ सूरज और सास पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करा दिया। समझौते के लिए 20 लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे। दहेज प्रताड़ना की एफआईआर से नाम हटाने के लिए राजस्थान पुलिस ने भी 50 हजार रुपए मांगे। इन आरोपों पर हर्षा का कहना है कि शादी के बाद से ही उससे दहेज मांगा जाता था।

14 पेज के सुसाइड नोट में नितिन ने क्या लिखा...

मैं नितिन पडियार आत्महत्या कर रहा हूं। पत्नी हर्षा शर्मा ने मुझे और मेरी पूरी फैमिली को झूठे केस में फंसा दिया है। मैंने अगस्त 2019 में हर्षा से लव मैरिज की थी। शादी के लिए हम दोनों की फैमिली राजी नहीं थी। इसलिए हमने भागकर शादी कर ली। घर से अलग किराए के मकान में रहने लगे। शादी के दो महीने बाद मेरे परिवार ने हमें अपना लिया। परिवार ने समाज के सामने हमारी शादी की। मेरी सास सीता शर्मा इस शादी से खुश नहीं थी। उन्होंने मुझे कभी नहीं अपनाया। मेरी मौत का कारण सिर्फ और सिर्फ पत्नी हर्षा शर्मा, सास सीता शर्मा, साली मीनाक्षी और वर्षा शर्मा है। इन्होंने मुझे बहुत डराया और ब्लैकमेल किया है।

पत्नी के कहने पर परिवार से लड़ता रहा

हर्षा के कहने पर मैंने मां और भाई से लड़ाई की। उसी घर में ऊपर अलग रहने लगा। कुछ दिन बाद से हर्षा सुबह 11 बजे तक सोकर उठने लगी। मैं सुबह 10.30 बजे जॉब पर भूखा ही जाता था। कई बार भाभी ने खाना खिलाया। इस बात पर मां ने हर्षा को समझाया तो वह विवाद करने लगी। कुछ दिन बाद हर्षा प्रेग्नेंट हो गई। उसने यह बात अपनी मम्मी को बताई। उन्होंने कह दिया कि नितिन के बच्चे से हमें कोई रिश्ता नहीं रखना।

गोद भराई में नहीं आई हर्षा की मां

हर्षा की प्रेग्नेंसी के 6 महीने पूरे होने के बाद हमने गोद भराई कराई। हर्षा की मम्मी नहीं आई तो हमने गोद भराई की रस्म भतीजे अनिरुद्ध से करवाई। कुछ दिन बाद बेटे ने जन्म लिया। तब भी हर्षा की मम्मी उसे देखने नहीं आई।

राजस्थान पुलिस पर भी लगाए गंभीर आरोप- राजस्थान के थानेदार ने मम्मी और भैया का नाम एफआईआर में हटाने के बदले 50 हजार रुपए मांगे थे। हमारे पास रुपए नहीं थे, तब थानेदार ने मेरे साथ मारपीट की। जैसे-तैसे करके उन्होंने बयान लिए। हम बता कुछ रहे थे और वो लिख कुछ और रहे थे। पुलिसकर्मियों के नाम मुझे याद नहीं है। लेकिन जांच होगी तो सब पता चल जाएगा। थानेदार का सरनेम चौधरी था और एसआई का नाम रामलाल है। वहां और भी पुलिसकर्मी थे।

महिलाएं कानून का दुरुपयोग कर रहीं- मैं नितिन पडियार भारत सरकार से ये विनती करता हूं कि कानून बदलें। महिलाएं इस कानून का दुरुपयोग कर रही हैं। यह कानून व्यवस्था नहीं बदली तो रोज कई लड़के और उनके परिवार उजड़ते रहेंगे। भारत के सभी युवाओं से मेरा निवेदन है कि शादी न करें और अगर करते भी हैं तो एग्रीमेंट बनवाए। मेरे मरने के बाद मुझे न्याय दिलाएं। ऐसा नहीं कर पाए तो खुद की बारी का इंतजार करें।

बेटा होने के बाद अलग रहने का दबाव बनाया

हर्षा की इच्छा पूरी करने के लिए मैंने बिजनेस के लिए लोन लिया। लेकिन उसमें नुकसान हो गया। इसके बाद और लोन लिया, उसमें भी नुकसान हो गया। हर्षा झगड़ा करके 4 मार्च 2023 को सुबह 6 बजे उसकी बड़ी बहन मीनाक्षी के साथ मायके जोधपुर चली गई। कुछ महीने बाद मैंने उससे कहा कि बेटे हनी की याद आ रही है, तुम घर आ जाओ। मम्मी के कहने पर हर्षा ने शर्त रखी कि परिवार से अलग रहेंगे तभी वो वापस लौटेगी। उसने मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया। दूसरे मोबाइल से लगाया तो उसकी मां फोन उठाती और बात नहीं करने देती थी। एक साल तक ऐसा ही चलता रहा। मैंने अलग रहने की बात मान ली, लेकिन हर्षा और उसकी मम्मी का कहना था कि 20 लाख रुपए चाहिए। मैं पहले से ही इतने कर्जे में हूं। कहां से 20 लाख रुपए दे दूं। मैं परिवार के साथ हर्षा से बात करने राजस्थान गया। तब हर्षा और उसकी मम्मी ने कहा कि से नहीं देगा तो तुझे केस में उलझा देंगे। इसके बाद हर्षा ने कोर्ट में हमारे खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करा दिया। पुलिस ने भी मुझे, मम्मी और भैया को बहुत डराया-धमकाया और बेइज्जत किया। मेरे परिवार ने कभी किसी थाने में कदम नहीं रखा था। वो लोग बहुत सीधे हैं। उन्हें झूठे केस में कोर्ट जाना पड़ रहा है। मेरे घर में अकेला मेरा भाई कमाने वाला है। मैं काम नहीं कर पा रहा हूं। हमें हर महीने कोर्ट की तारीख पर राजस्थान जाना पड़ता है।

परिवार से सभी सदस्य के लिए लिखा इमोशनल नोट

मम्मी सुनो, मेरे जाने के बाद तुम रोना मत और न ही किसी को रोने देना। अगर तुम लोग रोओगे तो मुझे मरने के बाद भी तकलीफ होगी। मैं वापस आऊंगा, तुम्हारा बेटा बनकर। आई एम सॉरी।

भैया! भैया, तुझे मैं कभी बोल नहीं पाया। तू मेरा सबकुछ है। तू रहता है तो हिम्मत रहती है। मम्मी का ध्यान रखना। और आखिरी बात जो मैं कभी बोल नहीं पाया तुझसे - आई लव यू।

भाभी, भाभी मैं तुमसे भी माफी मांगता हूं। हर्षा के लिए मैंने तुमसे भी गलत बात की। तुमसे विनती है कि कभी भैया और मम्मी को दुखी मत होने देना।

अनिरुद्ध-अक्षत! (भतीजे)- तुम दोनों के बारे में लिखूंगा तो लिखते-लिखते पूरी रात खत्म हो जाएगी। प्लीज दोनों में से कोई भी मेरी तरह मत बनना। दोनों पापा जैसा बनना।

परिवार ने की फांसी देने की मांग

नितिन के बड़े भाई सूरज ने बताया, राजस्थान पुलिस ने नितिन को मारने के लिए उसके बाल खींचे। पूरे परिवार को धमकाते हुए जेल में डालने की बात कही। मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि मेरे भाई के आरोपियों को फांसी दे। बेटियों को बहुत बचा लिया अब बेटों बेटों को भी बचाएं। नितिन की मां राधा ने कहा कि मैं पोतों को स्कूल से लेकर आ रही थी। नितिन मार्केट से लौट रहा था। वह रास्ते से हमें गाड़ी में बैठाकर घर तक लाया फिर ऊपर के कमरे में चला गया। हर्षा कभी हमारे परिवार को पसंद नहीं करती थी। खाने के लिए बुलाने पर भी नाराज हो जाती। नितिन को भी कभी समय पर खाना नहीं देती। वो अकसर वीडियो कॉल में बातचीत करती रहती थी। पता नहीं बेटे ने क्यों ऐसा कदम उठाया।

मेट्रो का सेफ्टी ऑडिट

स्पीड, इमरजेंसी ब्रेक जांचें सफर इसी माह से संभव

इंदौर (नप्र)। मेट्रो ट्रेन का सेफ्टी ऑडिट शुरू हो गया। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) की टीम सुरक्षा मानकों की जांच करने इंदौर पहुंची। टीम ने सुबह से डिपो और स्टेशनों का अवलोकन किया। साथ ही ट्रेन का संचालन, स्पीड, इमरजेंसी ब्रेक सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। सीएमआरएस की मंजूरी मिलते ही मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू हो सकेगा। संभावना है कि इसी महीने से यात्री इसमें सफर कर सकेंगे। दो महीने से मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन दस्तावेजों पर काम कर रहा है। टीम के निरीक्षण का शेड्यूल नहीं मिलने से मेट्रो ने कमर्शियल रन की तारीखें भी बढ़ाई हैं। सीएमआरएस से ग्रीन सिग्नल मिलते ही इसी माह के अंत तक मेट्रो ट्रेन आमजन के लिए शुरू की जाएगी। चूंकि इस रूट पर मेट्रो को ज्यादा यात्री नहीं मिलना हैं, इसलिए शुरू में इसे निःशुल्क चलाया जाएगा। मंगलवार को सीएमआरएस की टीम ने लोड टेस्ट भी किया। अब तक ट्रेन के 11 सेट इंदौर को मिल चुके हैं। इन्हें 90 किमी प्रति घंटा की स्पीड पर चलाकर भी देखा गया।

सितंबर 2023 में इस रूट पर ट्रायल रन किया जा चुका- मेट्रो को गांधी नगर स्टेशन और सुपर कॉरिडोर के स्टेशन-3 के बीच 6 किमी ट्रैक पर चलाया जा रहा है। सितंबर 2023 में इस रूट पर मेट्रो का ट्रायल रन किया गया था। इस पूरे रूट पर पांच स्टेशन हैं, जिनका काम अब पूरा हुआ। टिकटिंग, एस्केलेटर, सीढ़ियां, लिफ्ट, वॉशरूम, कियोस्क, डिजिटल लॉकर, व्हीलचेयर, ऑटोमैटिक फ्लैप गेट, आरक्षित सीटें, आपातकालीन सुविधाएं आदि होंगी। इनमें से ज्यादातर की व्यवस्था हो चुकी है। कैफे, सोलर पैनल भी लगेंगे। मालूम हो, पहले चरण में 17.5 किमी के रूट पर मेट्रो का काम चल रहा है।

इंदौर में डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल विवाद सुलझा

हाईकोर्ट में 2 घंटे बहस के बाद डॉ. गुप्ता को चार्ज, 10 दिनों से दो प्रिंसिपल संभाल रही चार्ज

इंदौर (नप्र)। प्रदेश के एकमात्र सरकारी ऑटोनोमस डेंटल कॉलेज में प्रिंसिपल की कुर्सी को लेकर डॉ. संध्या जैन और डॉ. अलका गुप्ता के मामले में मंगलवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। करीब 2 घंटे की बहस के बाद कोर्ट ने बुधवार को आदेश जारी कर दिया है। हाई कोर्ट ने डॉ. अलका गुप्ता को प्रिंसिपल बनाया है। इसके पूर्व सोमवार को डॉ. संध्या जैन ने हाई कोर्ट में रिज्वाइंडर पेश किया था। मंगलवार को दोनों पक्षों की ओर से वकीलों ने तर्क रखे। तब दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं कि आदेश हमारे पक्ष में होना बताया था। डॉ. संध्या जैन ने हाई कोर्ट में रिज्वाइंडर पेश किया था।

दोनों की खींचतान के चलते स्टाफ परेशान

मामले में डॉ. अलका गुप्ता का आरोप है कि डॉ. जैन 8 जनवरी को कार्यमुक्त हो चुकी हैं, लेकिन फिर से जबर्दस्ती प्रिंसिपल के कैबिन में बैठकर संचालन कर रही है। दूसरी ओर, डॉ. जैन का आरोप है कि डॉ. गुप्ता ने सरकारी दस्तावेज छीन लिए और शासकीय कार्य में बाधा डाली, जिसके बारे में उन्होंने शासन को शिकायत की। फिर 11 जनवरी से दोनों ही प्रिंसिपल पद पर सरकारी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रही हैं।

डॉ. गुप्ता का कहना है कि शासन और कलेक्टर आशीष सिंह से अनुमति प्राप्त कर उन्होंने पदभार संभाला और उन्हें ज्वाइन करने का निर्देश मिला। यह विवाद तब शुरू हुआ था जब डॉ. देशराज जैन की सेवानिवृत्ति के बाद उनकी पत्नी डॉ. संध्या जैन ने प्रिंसिपल की कुर्सी संभाली थी। शासन ने उन्हें हटाकर डॉ. अलका गुप्ता को गुरुवार को प्राचार्य का प्रभार सौंप दिया। डॉ. जैन ने शासन के आदेश को चुनौती दी थी और हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसके बाद दोनों के बीच खींचतान का सिलसिला जारी है। खास बात यह कि 10 जनवरी से दोनों अलग-अलग कैबिन में प्रिंसिपल का चार्ज संभाल रही है। इन दोनों के बीच खींचतान के चलते स्टाफ की परेशानी हो गई है कि वे किसका आदेश मानें।

डॉ. संध्या जैन   डॉ. अलका गुप्ता

संपादकीय

घटती गरीबी : एक पहेली

भारत में घटती गरीबी के सरकारी दावों और कुछ शोधों रिपोर्टों से हटकर एक ताजा रिसर्च रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आज देश में रहने वाला हर चौथा आदमी गरीब है। गरीबी को लेकर अर्थशास्त्रियों के अपने अनुमान और विश्लेषण होते हैं। उनके मापदंड भी अलग-अलग होते हैं। लेकिन भारत में बीते एक दशक में गरीबी सचमुच घटी या बढ़ी है, यह अपने आप में एक पहेली सी है। गौरतलब है कि पिछले अक्टूबर में आई रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में गरीबी 21 फीसदी से घटकर 8.5 प्रतिशत तक जा पहुंची है। थिंक टैंक एनसीएईआर के सोनाली देसाई के नेतृत्व में अर्थशास्त्रियों द्वारा एक पेपर में प्रस्तुत निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि ग्रामीण इलाकों में ज्यादा गरीबी कम हुई है, जो 2011-12 में हेडकाउंट रेश्यो 24.8 फीसदी से कम होकर मौजूदा समय में 8.6 प्रतिशत हो गया था।

इससे पहले मार्च में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन और अर्थशास्त्री एस महेंद्र देव ने एचसीईएस डेटा के आधार पर अनुमान लगाया था कि 2011-12 की तुलना में 2022-23 में भारत की गरीबी दर गिरकर 10.8 प्रतिशत हो जाएगी। इसके अलावा नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने हाल ही में एक सुझाव दिया था कि सांख्यिकी कार्यालय की ओर जारी घरेलू उपभोग व्यय डेटा के प्रारंभिक अनुमानों के आधार पर गरीबी का स्तर 5 प्रतिशत से नीचे हो सकता है। लेकिन हाल में द जर्नल ऑफ द फाउंडेशन फॉर एग्रेरियन स्टडीज (एफएएस) में प्रकाशित इस लेख में कहा गया है कि भारत में लगभग 26.4 प्रतिशत लोग गरीब हैं। लेख का शीर्षक ''भारत में गरीबी'' रंगराजन पद्धति और 2022-23 का घरेलू खपत एवं व्यय सर्वेक्षण है। यह निष्कर्ष घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 के आधार पर किया गया है। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में 2,515 रुपए और शहरी इलाकों में 3,639 रुपए गरीबी रेखा का अनुमान लगाया। इसी अनुमान के आधार पर देश में गरीबों की संख्या 26.4 प्रतिशत आंकी गई है। अब तक गरीबी रेखा राष्ट्रीय आय के आधार पर मापी जाती रही है। अब 12 साल बाद राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसओ) ने घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 फरवरी 2024 में जारी किया था। दरअसल गरीबी के बारे में हर एजेंसी के अपने अपने आंकड़े हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपने इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट सर्वे के अनुमान में कहा था कि साल 2023 में भारत में गरीबों की संख्या 10 फीसदी से नीचे पहुंच गई है, जो 2011-12 में इनका प्रतिशत 21 था। वहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा था कि गरीबों की संख्या 5 फीसदी से नीचे पहुंच गई है। लेकिन एफएएस के जर्नल में प्रकाशित लेख में दोनों ही अनुमानों को खारिज कर दिया गया है। प्रस्तुत रिपोर्ट के लेखकों में से एक सी. ए. सेतू ने स्पष्ट किया कि गरीबी रेखा को कम और ऊपरी सीमा को अधिक आंकने के बावजूद हमने पाया कि हर चौथा भारतीय गरीब है।

लेख में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का उपयोग करके पूर्व में गरीबी रेखा को समायोजित करने की विधि कम से कम दो प्रमुख कारणों से गलत है। पहला- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की गणना उपभोग टोकरी (कंजप्शन बास्केट) में वस्तुओं के लिए पुराने आधार भार का उपयोग करके की जाती है। जबकि नए उपभोग व्यय डेटा न होने के कारण इन भारों को एक दशक से अधिक समय से अपडेट नहीं किया गया है, जिसके बदलने की पूरी संभावना है। लेखकों ने यह भी कहा कि हम जिस (रंगराजन) पद्धति का उपयोग करते हैं, वह गरीबी को कम आंकने की संभावना है, न कि इसे अधिक आंकने की। भारत में उपभोग गरीबी एक जरूरी और महत्वपूर्ण समस्या बनी हुई है।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दिल्ली से तय होगी इंडिया गठबंधन की ताकत

इंडिया गठबंधन के अंदर नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवाल विपक्षी एकजुटता के लिए बड़ा संकट बन चुके हैं। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसे नेता यह कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव तक के लिए था, और अब इस गठबंधन का उद्देश्य खत्म हो चुका है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव भी अपनी पार्टी की तरफ से आम आदमी पार्टी का समर्थन कर चुके हैं, और उनकी यह टिप्पणियां कांग्रेस के लिए गहरी चिंता का कारण बन गई हैं। कांग्रेस के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है क्योंकि यह गठबंधन उसके नेतृत्व में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन से चल रहा है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव केवल राजधानी की सियासत का फैसला नहीं करेगा, बल्कि इसका असर देश के विपक्षी गठबंधन, इंडिया, की राजनीति पर भी पड़ेगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने इंडिया गठबंधन के तहत बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी, और यह संकेत दिया था कि विपक्षी दलों की एकजुटता आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लेकिन अब दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्ष के भीतर घमासान बढ़ता जा रहा है, और इस चुनाव के परिणाम केवल दिल्ली की सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन के भविष्य और नेतृत्व के लिए भी अहम हो सकते हैं।

दिल्ली चुनाव की सियासत में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच जोरदार टकराव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इस बीच, इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी दल जैसे सपा, आरजेडी, टीएमसी और एनसीपी ने खुलकर आम आदमी पार्टी के समर्थन में आकर कांग्रेस के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। इससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर होती जा रही है, और अब सवाल यह उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस इस चुनावी माहौल में अपनी सियासी जमीन बना पाएगी, या फिर क्षेत्रीय दल कांग्रेस की राजनीति को दरकिनार कर देंगे।

इंडिया गठबंधन के अंदर नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवाल विपक्षी एकजुटता के लिए बड़ा संकट बन चुके हैं। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसे नेता यह कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव तक के लिए था, और अब इस गठबंधन का उद्देश्य खत्म हो चुका है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव भी अपनी पार्टी की तरफ से आम आदमी पार्टी का समर्थन कर चुके हैं, और उनकी यह टिप्पणियां कांग्रेस के लिए गहरी चिंता का कारण बन गई हैं। कांग्रेस के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है क्योंकि यह गठबंधन उसके नेतृत्व में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन से चल रहा है।

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने दिल्ली में चुनावी अभियान के दौरान इन दोनों पार्टियों को एक जैसा बताकर निशाना साधा। राहुल गांधी का यह कदम कांग्रेस के संघर्ष को दर्शाता है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि दिल्ली चुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए अत्यधिक

महत्वपूर्ण होंगे। अगर दिल्ली में कांग्रेस हार जाती है, तो इससे इंडिया गठबंधन के भीतर विरोध और भी तेज हो सकता है। कई क्षेत्रीय दल जैसे सपा, आरजेडी और टीएमसी के लिए यह अवसर हो सकता है कि वे कांग्रेस को अपनी सियासी लड़ाई से बाहर कर दें और खुद को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व संभालने का मौका दें।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने विपक्षी दलों को एकजुट किया था, और इसका फायदा भी मिला था। कांग्रेस ने 99 सीटें जीती थीं, जिससे उसकी स्थिति मजबूत हुई थी। लेकिन इसके बाद हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस को मिली हार ने उसके आत्मविश्वास को कमजोर किया। इस हार के बाद विपक्षी दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर सवाल उठाना शुरू कर दिया था, और ममता बनर्जी, शरद पवार जैसे नेताओं ने कांग्रेस से गठबंधन का नेतृत्व छोड़ने का दबाव बनाना शुरू किया। यह संकेत था कि इंडिया गठबंधन के भीतर कांग्रेस का महत्व अब कम होता जा रहा है, और यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के बाद बिखरता जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे ना केवल राजधानी की राजनीति को प्रभावित करेंगे, बल्कि वे विपक्षी गठबंधन की स्थिरता को भी प्रभावित करेंगे। अगर आम आदमी पार्टी दिल्ली में जीतकर चौथी बार सरकार बनाने में सफल हो जाती है, तो इससे इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर घमासान और बढ़ेगा। क्षेत्रीय दलों जैसे ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और केजरीवाल के नेतृत्व को लेकर नई बहस छेड़ी जा सकती है। कांग्रेस पर दबाव बनेगा कि वह इंडिया गठबंधन की बागडोर छोड़ दे, और इसका स्थान किसी क्षेत्रीय दल को दे।

वहीं, अगर आम आदमी पार्टी दिल्ली की सत्ता बरकरार नहीं रख पाती, तो इसका असर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के लिए यह आरोप लगना तय है कि वह बीजेपी से मिलीभगत कर रही है, और इससे पार्टी की साख को नुकसान होगा। इसके साथ ही यह भी सच है कि आम आदमी पार्टी का गठन कभी कांग्रेस के वोट बैंक की कीमत पर हुआ था। जब भी कांग्रेस मजबूत होती है, आम आदमी पार्टी को कमजोर महसूस होता है। यह सच है कि जैसे-जैसे कांग्रेस अपनी जमीन को फिर से मजबूत करती है, आम आदमी पार्टी की ताकत कम होती जाती है।

आज के सियासी परिदृश्य में क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा अपनी सियासी ताकत को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में कांग्रेस की कमजोरी का फायदा सपा ने उठाया, बिहार में आरजेडी ने और बंगाल में टीएमसी ने इसका लाभ लिया। क्षेत्रीय दलों की यह रणनीति है कि कांग्रेस को अपने रास्ते में ज्यादा मजबूत नहीं होने दिया जाए। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस अपनी खोई हुई सियासी जमीन फिर से हासिल करे। ऐसे में, दिल्ली चुनाव के नतीजे यह तय करेंगे कि कांग्रेस को सत्ता में वापस आने का मौका मिलेगा या नहीं। अगर दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को हार मिलती है, तो यह संभावना बढ़ेगी कि इंडिया गठबंधन के बाकी सहयोगी दलों के लिए नया नेतृत्व सामने आ सकता है, और यह कांग्रेस को पीछे धकेलने की कोशिश होगी।

बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव केवल दिल्ली की सियासत को नहीं, बल्कि पूरे इंडिया गठबंधन की भविष्य की राजनीति को भी प्रभावित करेगा। यह चुनाव केवल राजधानी की सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विपक्ष की एकजुटता, नेतृत्व और गठबंधन के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इस चुनाव के परिणाम से यह साफ हो जाएगा कि कांग्रेस का राजनीतिक भविष्य क्या होगा और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव कितना बढ़ेगा।

विश्व राजनीति

अशोक भाटिया

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ट्रंप की शपथ के बाद कितना बदलेगा विश्व

अगर किसी के महज सत्ता में आ जाने से पूरी दुनिया में इतना भ्रम और संदेह पैदा हो गया है तो उस व्यक्ति के लिए यह गर्व की बात है या शर्म की, इस पर चर्चा करना बेमानी है। 20 जनवरी को जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले चुके हैं तो 'आगे क्या' सवाल का काला साया पूरी दुनिया में फैला हुआ नजर आ रहा है। ट्रम्प ने अपनी नीति की दिशा स्पष्ट कर दी है। वे अमेरिकी बाजार में आने वाले विदेशी सामानों पर व्यापक टैरिफ लगाने से लेकर उन लोगों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने तक जो उस देश में प्रवास करना चाहते हैं।

ट्रंप के नेतृत्व कौशल को तीन मुद्दों पर परखा जाएगा। इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन, जो अमेरिकी महाशक्ति को चुनौती दे रहा है, तीन मुद्दे हैं जो ट्रम्प के नेतृत्व कौशल का परीक्षण करेंगे, जिनमें से पहला ट्रम्प पहले ही खुद का दावा कर चुका है। उन्होंने कहा, 'यह केवल इस तथ्य के साथ था कि मैं चुना गया था कि इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष समाप्त होना शुरू हो गया था,' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने में परीक्षण किया जाएगा कि संघर्ष की लपटें बुझती रहें। यूक्रेन युद्ध पर ट्रम्प की सलाह अभी तक ज्ञात नहीं है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन किसकी बात सुनेंगे। यह असली सवाल है। पुतिन ने अतीत में ट्रम्प को पानी पिलाया है और ट्रम्प की पूर्व-राष्ट्रपति रूस यात्रा के दौरान पुतिन ने उन्हें क्या 'आपूर्ति' की थी। दूसरे, 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में पुतिन का हस्तक्षेप भी सर्वविदित है। तो सवाल यह है कि वह ट्रम्प के लिए कितनी भीख मांगेंगे। यही बात चीन के शी जिनपिंग पर भी लागू होती है। चीन और शी अजीब रसायन हैं। वे न केवल चीन को महाशक्ति बनने में रुचि रखते हैं। घड़ी को तोड़ने के लिए। इसके लिए चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार इस हद तक बढ़ा लिया है कि आज दुनिया के कई देशों के बाजारों में चीनी उत्पाद बह रहे हैं। नतीजतन, अन्य देशों-विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार घाटे नाटकीय रूप से बढ़ गए हैं। इसकी भरपाई के लिए ट्रंप चीनी उत्पादों का आयात और महंगा करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी बाजार में चीनी उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाना। यह स्पष्ट है कि इस तरह के टैरिफ एकतरफा नहीं होंगे। चीन जवाब में इसी तरह के उपाय करेगा। आज, चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा ऋणदाता है। यही है, चीनी सरकार ने एक बड़ा डॉलर खरीदा है या अमेरिकी बॉन्ड में काफी निवेश किया है। चीन इसे हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। अगर ऐसा होता है, तो दुनिया को एक नए व्यापार युद्ध का सामना करना पड़ेगा।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह हमारी आंखों के माध्यम से ट्रंपोदया को देखना है। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत पन्नू की हत्या पर हमारे बदले हुए रुख का 'श्रेय' इस ट्रंपूदया को जाता है। हमारी अब तक की मजबूत स्थिति है कि पन्नू की हत्या में एक भी भारतीय शामिल नहीं है। पन्नू का यह मामला कनाडा के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद सामने आया। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर हत्या के लिए भारत को सार्वजनिक बयान दिया। विभाग ने निज्जर की हत्या के बारे में बात की और संकेत दिया कि भारतीय द्वारा उसे मारने का प्रयास किया गया था। इसके लिए अमेरिका ने कोना निखिल गुप्ता का नाम आगे रखा। गुप्ता को जून 2023 में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और जून 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया था। हम अमरीकी प्रणाली द्वारा इतने सारे ब्यौरे प्रकट करने से बहुत परेशान थे। अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी आदि एक दूसरे के साथ जासूसी का आदान-प्रदान करते हैं। एक समझौता है कि निज्जर हत्या के सबूत इकट्ठा करने में अमेरिकी एजेंसियां भी शामिल थीं। इसलिए इस मुद्दे पर कनाडा को अमेरिका से दूर करने का हमारा प्रयास विफल रहा। तब यह पता चला कि अमेरिकी एजेंसियों ने सीधे भारत सरकार को फोन किया और बहुत परेशानी पैदा की। अमेरिका द्वारा इस मुद्दे पर एक कदम पीछे हटने से इनकार करने के बाद हमें 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा भी करनी पड़ी।

ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने से पहले कहा था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य होगा। बयान के पीछे जो भी कारण हो, कनाडा में हलचल मच गई। जस्टिन ट्रूडो, जिन्हें ट्रम्प द्वारा निशाना बनाया गया था, को पद छोड़ना पड़ा। संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में कनाडा का क्षेत्रफल 150,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक है। दोनों नाटो के संस्थापक सदस्य हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका कनाडा की घास कैसे ले सकता है जब एक से दूसरे की रक्षा करने की उम्मीद की जाती है? लेकिन अगर ट्रम्प भारी टैरिफ लगाने का सहारा लेते हैं, तो कनाडा सत्ता में आने से पहले ही घुटने टेक देगा और आत्मसमर्पण कर देगा।

ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर डेनमार्क ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण नहीं छोड़ा तो अमेरिका भारी शुल्क लगाएगा। हालांकि ग्रीनलैंड का 85 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है, लेकिन यह खनिज संसाधनों से समृद्ध है। ग्रीनलैंड के प्रधान मंत्री एग्रेड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया है, लेकिन उन्होंने कहा है कि 'हम सहयोग के लिए तैयार हैं'। ग्रीनलैंड की आबादी मुश्किल से 57,000 है। इतने सारे लोगों को हमारे पक्ष में मोड़ना बहुत मुश्किल नहीं है। डेनमार्क निश्चित रूप से जानता है कि ट्रम्प को लेना आसान नहीं है।

ट्रम्प ने कार्यालय में अपने पहले कार्यकाल के दौरान मैक्सिकन सीमा के साथ एक दीवार बनाने की धमकी दी है, और पोप द्वारा इसकी आलोचना करने के बाद, ट्रम्प ने उन्हें चेतावनी दी कि 'आपका इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है' और उन्हें चीन के गतिरोध को रोकने के लिए पहले मेक्सिको पर नियंत्रण करना होगा। क्योंकि चीन मेक्सिको में अपनी फैक्ट्री में उत्पादन करता है और अमेरिका में बेचता है। इसका मतलब है कि मेक्सिको का सिरदर्द बढ़ जाएगा!

कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत चीन के खिलाफ अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी हो सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के बीच काफी नजदीकियां हैं, लेकिन ट्रंप ऐसे कदम उठा सकते हैं जो अमेरिका को प्राथमिकता देने की अपनी नीति के कारण भारत को नुकसान पहुंचाएंगे। अपने पहले कार्यकाल में, ट्रम्प ने हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों पर भारत के उच्च टैरिफ पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कई भारतीय सामानों पर उच्च कर लगाया था। ट्रम्प अब भारत पर रक्षा सौदों में अमेरिका को प्राथमिकता देने के लिए दबाव डाल सकते हैं। एच-1बी वीजा के मुद्दे पर ट्रम्प की सख्त नीति का निश्चित रूप से भारत पर सबसे बड़ा प्रभाव पड़ेगा। क्या ट्रम्प इस सब पर भारत को कोई रियायत देते हैं, इस पर वर्तमान में बहस चल रही है, लेकिन यह सच है कि चीन के संदर्भ में भारत की उम्मीदें 'दुश्मन दुश्मन हमारा दोस्त है' के आधार पर मजबूत हैं। दक्षिण - पूर्व एशिया में भू-राजनीतिक नजरिये से भारत की अहम भौगोलिक स्थिति के बारे में अमेरिका जानता है। उसे पता है कि भारत अपने दम पर आर्थिक ताकत बना है। चीन के बढ़ते दबाव को देखते हुए ट्रंप के पास एक ही चारा है, भारत के साथ व्यापार बढ़ाना और अमेरिकी कंपनियों का निवेश कराना। साथ में विकास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व बंधुत्व की अवधारणा को जी -20 और ग्लोबल साउथ- 77 देशों के आयोजन में बड़ी सफलता मिली है। यह दिखाता है कि भारत और अमेरिका मिलकर संयुक्त राष्ट्र (UNO) और अन्य वैश्विक मंचों पर कैसे लाभ उठा सकते हैं।

लेकिन यह कहना मुश्किल है कि ट्रम्प कब ट्रम्प हैं। 78 साल की उम्र में, उन्होंने चुनाव में 200 से अधिक अभियान रैलियां आयोजित करके दिखाया है कि वह युवा हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों को भी चुना है। एलन मस्क, जिनका चेहरा कंपनी स्पेस एक्स के स्टारशिप के पतन के बाद भी नहीं हिला है, ट्रम्प के साथ हैं। उन्होंने न्यायपालिका को चेतावनी दी है कि 'राष्ट्रपति के पास सभी प्रकार की शक्ति है'। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह के लिए केवल चुनिंदा देशों को आमंत्रित किया है, यहां तक कि पाकिस्तान को भी नहीं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की गोद में खेल रहा है।

तभी होगा असली गणतंत्र दिवस

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखिका स्तंभकार हैं।

कुछ ही दिनों में हम गणतंत्र दिवस के शुभ दिन का स्वागत करने वाले हैं। हमारे इस राष्ट्रीय पर्व का इंतज़ार हम सबको रहता है, लेकिन अगर हमसे कोई पूछे कि हमारे लिए गणतंत्र दिवस क्यों ज़रूरी है तो इसका जवाब होगा कि हमारे देश के लिए यह दिन मात्र राजनैतिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक एंव सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हमें गणतंत्र देश बनने के लिए एक लंबा संघर्ष करना पड़ा है। इस देश को मजबूत बनाने के लिए (जनता द्वारा और जनता के लिए) एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण किया गया, जिसमें जनता ही सर्वप्रिय है।

अब जब हम भारत के 76वें गणतंत्र दिवस को मनाने जा रहे है। तब हमारे मन में कई प्रश्न उठते है कि क्या आज का भारत वहीं है जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था। आज के भारत के हालात देखकर कहीं ना कहीं हम स्वयं को दोषी महसूस करने लगे है। विश्व गुरु बनने का सपना देखते-देखते हम भारत को भीतर से ही सुरक्षित कर पाने में असफल हो रहे है। विकसित भारत के सामने आज भी कई गम्भीर चुनौतियां है। जैसे गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, प्रदुषण, बुनियादी ढाँचे की कमी और इन सब से बढ़कर सांप्रदायिकता और लौगिक असमानता के साथ-साथ भीतर से हमारे देश को कमजोर करने की नीयत रखने वाले आतंकवादी और उनका साथ देने वाले देश-द्रोही।

भारत की तरक्की के रास्ते में यह सब कठिनाइयां प्रमुख तौर पर हमारे देश को भीतर से खोखला करने में सहायक सिद्ध हो रही है। बाहरी दुश्मनों का चेहरा तो सामने आ सकता है, लेकिन भीतर से घात लगाए ऐसे चेहरों को पहचानना मुश्किल हो जाता है जो हमदर्दी का नकाब ओढ़कर बैठे है।

बढ़ती आबादी को नज़र में रखते हुए जनसंख्या कानून का होना बेहद आवश्यक लगता है। इसके साथ ही शिक्षा को हर घर तक पहचाना आज भी एक कठिन कार्य है। कई गरीब तबके का अपने अधिकारों की जानकारी ना होना और अमीरों का देश के प्रति कम लगाव होना भी हमारे देश के लिए घातक है। यह नहीं माना जा सकता की सरकार देश के विकास की और कार्य नहीं कर रही, लेकिन जनसंख्या के हिसाब से कार्यो को करने की स्थिति को और भी मजबूत करना अभी जरूरी है।

किसी भी देश को चलाना इतना आसान कार्य नहीं है फिर जब देश में विभिन्न सम्प्रदाय, विभिन्न धर्म और जातियां साथ रहती हो तो उस देश को सम्भालना कठिन कार्य हो जाता है। सभी के साथ सामंजस्य बिठाकर निर्णय लेना भी अपने-आप में एक कला है।

हमें इस बात पर ज़रूर गौर करना चाहिए कि नागरिकों के निजी हित से कोई देश नहीं चलता बल्कि देश के निजी हित से नागरिकों की सुरक्षा हो सकती है। हमें अपने-अपने निजी हित को त्याग कर देश हित के बारे में सोचना चाहिए। जिस दिन हमारी सोच में हम से ज़्यादा देश आने लगा तभी हमारे पूर्वजों द्वारा किया गया बलिदान सार्थक होगा।

बातें बहुत है पर अफ़सोस कि आज भी यह बातें ही है। हम देश की सुरक्षा के बारे में जब भी सोचते है तो सेना ही हमारे ख्याल में आती है। हम एक आम भारतीय होकर अपने अधिकारों के बारे में तो बात करते है,लेकिन अपने कर्तव्यों को भुला बैठे है। आज अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों के बारे में जागरूक होने का समय है। किसी विशेष समुदाय या जाति के ना होकर एक भारतीय होने का समय है। हमारा भविष्य हमारे देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा से ही है। बाहरी सुरक्षा के लिए सेना है तो आज से आंतरिक सुरक्षा की ज़िम्मेदारी हमें स्वयं पर लेनी होगी और इसके लिए सबसे पहले फ्री की सेवाओं के मायाजाल से खुद को निकालना होगा। जब हम स्वयं को देश पर बोझ बनने से रोकेंगे तभी तरक्की के रास्ते खुलेंगे। तभी होगा असली गणतंत्र दिवस।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

दिनेश विजयवर्गीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हम यह देंगे, हम यह देंगे

एक कहावत है इस दुनिया में ऐसा कोई दुर्गम स्थान नहीं जहां सोने से लदा गधा नहीं पहुंच सकता हो।

इसी तरह पैसे का महत्व बताते हुए कहा गया है कि पैसा पानी में भी रास्ता निकाल देता है। पैसे आम लोगों के जीवन में सुख शांति समृद्धि लाता है। वहीं लक्ष्मी की यह खनखनाहट राजनीतिक गलियारों में भी जोर-शोर से रबड़ की गेंद की तरह उछलने लगी है। एक समय था जब हमारा लोकतंत्रीय चुनाव के अंतर्गत विभिन्न राजनीतिक दलों को उनकी मानमनुहार घोषणा पत्र रीति रिवाज नीति सिद्धांत के आधार पर वोट मिला करते थे। लेकिन आज सत्ता प्राप्ति की छीना झपटी वाली राजनीति चलने लगी है। सत्ता प्राप्ति की सुखद कल्पना और उसके आनंद की प्राप्ति के लिए राजनीतिक दलों ने प्रायः नीति सिद्धांत तो हाशिये में धकेल दिए हैं। उन्हें लगने लगा कि यह बातें चुनाव जीतने के लिए ना काफी होती जा रही है। कुछ नया जंतर मंतर करना होगा। सत्ता वाली पार्टी ने चुनावी रण जीतने के लिए रेवड़ी के लालच का मन मोहिनी जाल फैंका। महिलाओं के लिए नकद राशि, बस यात्रा, बुजुर्गों का इलाज व तीर्थ यात्रा फ्री। धर्म गुरुओं को एक निश्चित राशि ,बुजुर्गों की पेंशन शिक्षा फ्री। मेट्रो में आधा किराया और भी कुछ। इतनी सारी सुविधाओं को देखकर जनता के बीच प्रचार प्रसार चलने लगा। सत्ता के लिए चाहत बनाए हुए दोनों प्रमुख पार्टियां भी भला कैसे चुप रहती ? आखिर उन्हें भी तो सत्ता पक्ष वालों पर विजय प्राप्त कर सिंहासन जो हथियाना है। महिलाओं के लिए 2500, सिलेंडर में सब्सिडी, इलाज में कोई 10 लाख तो कोई 25 लाख के सुविधा। कोई बिजली में 200 से 300 यूनिट तक की छूट, बुजुर्गों के लिए अधिक पेंशन सुविधा का दावा जता रहे हैं। बस लगता है जनता के भाग्य में तो मौजा ही मौजा।

तीनों पार्टियां मतदाताओं को अपनी ओर करने के लिए रेवड़ी प्रसाद से मान मनुहार करने से कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। जनता भी लगता है रेवड़ी सुविधाओं की तुलनात्मक अध्ययन कर रही है। अब देखना यह कि कौन किस पार्टी के लालची फंदे में फंसकर उसके पक्ष में ईवीएम का बटन दबाता है। पर अभी तो रेवाड़ी कलर के प्रचार प्रसार के साथ कई और वादे भाषण के दौरान होंगे। पर जनता जानती है वादों के बड़ते भाव में जितना मिल जाएगा उसी से सबर करना पड़ेगा। राजनेताओं के वादे भला कितने खरे होते हैं। और यह भी जरूरी नहीं की सत्ता मिलते ही वादे चालू हो जाएं। बजट का गणित देखभाल कर जनता को समय पर वादे निभाने का प्रयास करने का जुमला तो दोहरा देंगे।

लोकतंत्र शासन पद्धति में वोटों को रेवाड़ी कल्चर से अपने पक्ष में करने की परंपरा कहां तक चलेगी कह नहीं सकते। वक्त आने पर सरकार कह देगी, चुनावी वादे जरूरी नहीं की सब पूरे हों। बजट के अनुसार कार्य होगा। जनता चुप चुप सब कुछ देखती रहेगी। जो मिल जाए वह अपना,बाकी की आस लगाना, मुंगेरी लाल के सपने देखने जैसा है।

जयंती पर विशेष

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी
अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

सुभाष चंद्र बोस: आजाद हिंद फौज के प्रणेता महानायक

23 जनवरी 1897 को एक उच्च – मध्यम वर्गीय बंगाली कायस्थ परिवार में सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ। सुभाष चंद्र बोस के पिता वकील थे और उन्हें आईसीएस बनाना चाहते थे। सुभाष चंद्र बोस ने अपने पिता की यह इच्छा पूरी की,लेकिन अपने गहरे राष्ट्रवादी रुझानों के कारण 1921 में इंडियन सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया और भारत लौट आए। भारत में उन्होंने गांधी जी से मुलाकात की। गांधी के प्रति गहन आदर सम्मान होने बावजूद भी वे क्रांतिकारियों से जुड़े राष्ट्रवादी नेता चितरंजन दास से अधिक प्रभावित थे।

हिंसक उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन जो गांधी जी के नेतृत्व में चल रहा था और जिसकी मुख्य रणनीति सविनय अवज्ञा और अहिंसक प्रतिरोध के मूल्यों पर टिकी हुई थी। गांधी जी के असहयोग आंदोलन वापस लेने के बाद भगत सिंह और उनके कई साथियों ने क्रांति के मार्ग को चुन लिया और कांग्रेस या कहें गांधी की रणनीति के बरक्स नई रणनीति बनाकर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जारी रखा। जबकि सुभाष चंद्र बोस एकमात्र ऐसे राष्ट्रीय नेता थे जिन्होंने गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए भी कांग्रेस पार्टी के भीतर रह कर अहिंसा के बरक्स जुझारू राष्ट्रवाद की दावेदारी पेश की। जवाहर लाल नेहरू के साथ कांग्रेस के युवा और वामपंथी चेहरे की नुमाइंदगी करने वाले सुभाष चंद्र बोस में लोगों को संगठित करने की अद्भुत क्षमता थी, साथ ही वे प्रखर वक्ता थे जिससे वे लोगों को आकर्षित और सम्मोहित कर लेते थे। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और आम आवाम में अत्यंत लोकप्रिय होने के कारण संपूर्ण भारत में उन्हें 'नेताजी' कह कर संबोधित किया जाता है। 23 जनवरी 1897 को एक उच्च - मध्यम वर्गीय बंगाली कायस्थ परिवार में सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ। सुभाष चंद्र बोस के पिता वकील थे और उन्हें आईसीएस बनाना चाहते थे। सुभाष चंद्र बोस ने अपने पिता की यह इच्छा पूरी की,लेकिन अपने गहरे राष्ट्रवादी रुझानों के कारण 1921 में इंडियन सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया और भारत लौट आए। भारत में उन्होंने गांधी जी से मुलाकात की। गांधी के प्रति गहन आदर सम्मान होने बावजूद भी वे क्रांतिकारियों से जुड़े राष्ट्रवादी नेता चितरंजन दास से अधिक प्रभावित थे। सुभाष चंद्र बोस की उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन में सहभागिता की शुरुआत प्रिंस ऑफ वेल्स के भारत आगमन के खिलाफ कोलकाता में हुए प्रदर्शनों से हुई थी। कांग्रेस स्वयंसेवक के इंचार्ज के तौर पर बोस ने हड़ताल का सफल आह्वान किया और गिरफ्तारी के बाद रातों रात बंगाल के उभरते हुए नेता बन गए। बंगाल में हिंदू - मुस्लिम एकता को कायम रखने के लिए बोस ने स्वराज पार्टी की राजनीति में मुसलमानों के लिए नौकरियों में आरक्षण का समर्थन किया। 1924 में उन्हें क्रांतिकारी गतिविधियों में लिप्त होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया और चार साल के लिए बर्मा की मांडले जेल भेज दिया गया। 1926 में उन्होंने जेल में कैदियों के साथ बदसलूकी के खिलाफ लंबी भूख हड़ताल की, जिसके दबाव में जेल अधिकारियों को उनकी कई मांगें

पूरी करनी पड़ी। 1928 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस और नेहरू ने पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित करने का प्रयास किया जो नाकामयाब रहा लेकिन इस अधिवेशन में पचास हजार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया जिससे बोस प्रभावित हुए और बोस का कम्युनिस्टों के साथ परस्पर सहयोग का सिलसिला चल पड़ा। साइमन कमीशन के विरोध में एक लाख लोगों का प्रदर्शन सुभाष चंद्र बोस और भाकपा के गठजोड़ का ही परिणाम था। कांग्रेस के अंदर सुभाष चंद्र बोस वामपंथी धड़े की मुख्य आवाज बन गए थे। 26 जनवरी 1931 को उन्हें कोलकाता के मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए गिरफ्तार किया गया और छह माह की सज़ा दी गई। सुभाष चंद्र बोस ने गांधी इरविन समझौते की खुलकर आलोचना की, लेकिन साथ ही युवकों से यह भी कहा कि संघर्ष के बीचों बीच संघर्ष के सिपहसालार को ठुकराना ठीक नहीं है। जनवरी 1938 में बोस जब इंग्लैंड में थे तब उन्हें पता चला कि उन्हें सर्वसम्मति से कांग्रेस का अध्यक्ष चुन लिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर सुभाष चंद्र बोस को पार्टी के भीतर स्वतंत्र भारत में सोवियत तर्ज पर नियोजित विकास पर चर्चा करने का श्रेय दिया जाता है । युद्ध की संभावना के साथ कांग्रेस की नीति के प्रश्न को लेकर सुभाष बाबू और गांधी जी के विचारों में संघर्ष को देखा जा सकता है। सुभाष बाबू का स्पष्ट मानना था कि युद्ध की संभावनाओं का लाभ उठाकर कांग्रेस को आजादी की लड़ाई खूब तेज कर देनी चाहिए और गांधी जी का मत था कि कांग्रेस को अभी धीरज रखना चाहिए। लोहिया इस मामले में सुभाष बाबू के समर्थक थे। कांग्रेस पार्टी में कई क्रांतिकारी परिवर्तन सुभाष चंद्र बोस ने किए वे बिना किसी प्रभाव के और दबाव के पार्टी हित में निर्णय लेने से भी नहीं चूके। मार्च 1939 के कांग्रेस के त्रिपुरा अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस दुबारा कांग्रेस अध्यक्ष इसलिए बनना चाहा कि वे कांग्रेस को उन लोगों से मुक्त करा सकें जिन्हें वे 'ओल्ड गार्ड्स' और गांधीवादी कहते थे-इन 'ओल्ड गार्डस' में मौलाना आजाद, सरदार पटेल, राजेंद्र बाबू, राजगोपालाचारी और कुछ हद तक जवाहरलाल नेहरू भी शामिल थे क्योंकि वे भी मोटे तौर पर गांधी जी के तरीकों से सहमत थे। तथा इसके बाद वे कांग्रेस और स्वतंत्रता के संघर्ष को अपने अनुसार संचालित करना चाहते थे। सुभाष बाबू ने अध्यक्ष पद का चुनाव 213 के बहुमत से जीता। सुभाष चंद्र बोस को सोशलिस्टों का भी समर्थन हासिल था। गांधी और सुभाष बाबू के बीच मतभेद के बाबजूद भी सुभाष चंद्र बोस की लोकप्रियता और शक्ति दिनों दिन बढ़ती जा रही थी विशेषकर नवयुवकों के बीच। कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद बोस ने कांग्रेस के भीतर काम करने के लिए फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद आजाद हिंद फौज का अभियान स्वतंत्रता के लिए किया गया सबसे सुनियोजित, गंभीर और प्रभावी सशस्त्र संघर्ष था। 1940 में अंग्रेजों की नजरबंदी तोड़ कर बोस विदेश चले गए। 1943 में बोस एक पनडुब्बी में बैठकर जापान पहुंचे जहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री तोजो से हुई और उन्हें जापानी संसद में निमंत्रित भी किया गया। जापान में रह रहे वरिष्ठ क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने सुभाष में अपना उत्तराधिकारी देखा। सिंगापुर में कैप्टन मोहन सिंह द्वारा संगठित भारतीय युद्धबंदियों की सेना का नेतृत्व संभालने के बाद अक्टूबर, 1943 में सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज और आज़ाद हिंद सरकार के गठन की सार्वजनिक घोषणा की। यह सेना पूरी तरह से सेकुलर आधार पर गठित की गई थी। 1943 में बोस ने टोकियो रेडियो स्टेशन से घोषणा की कि अंग्रेजों से यह आशा करना बिल्कुल व्यर्थ है कि वे खुद अपना साम्राज्य छोड़ देंगे, हमें भारत के भीतर और बाहर से स्वतंत्रता के लिए स्वयं संघर्ष करना होगा। जुलाई 1944 में सुभाष चंद्र बोस ने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी को संबोधित किया और गांधी जी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया। इस संबोधन में अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए आजाद हिंद फौज के द्वारा स्वतंत्रता के लिए लड़ी जा रही इस निर्णायक लड़ाई की जीत के लिए शुभकामनाएं मांगी। आजाद हिंद फौज में कास्ट,क्लास और जेंडर के भेदभाव से परे सभी को संघर्ष में शामिल होने का अवसर प्रदान किया गया था। महिलाओं के लिए झांसी रानी रेंजिमेंट बनाई गई थी। आजाद हिंद फौज में चालीस हजार स्त्री और पुरुषों को प्रशिक्षित किया गया था।

महाकुंभ

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

क्या आप भी जाएंगे कुंभ में स्नान के लिए?

महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर पहला स्नान विगत 13 जनवरी को हुआ। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंच रहे हैं। क्या आप भी महाकुंभ में स्नान करने जाएंगे? अगर आप जा रहे हैं, तो आप अपने को भाग्यशाली मान सकते हैं। आपको यहां कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान होते हुए दिखाई देंगे। जैसे कि यज्ञ, हवन, और कीर्तन। ये अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करते हैं और श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर देते हैं। कुंभ मेला एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव है जो लोगों को भगवान के करीब लाता है। यह एक ऐसा समय है जब लोग अपने पापों से मुक्ति पा सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह आत्म-अनुशासन और त्याग के महत्व को दर्शाता है। यह एक ऐसा उत्सव है जो लाखों लोगों को एक साथ आने और अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर देता है।

कुंभ मेले की शुरुआत समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी है। इस कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत (अमरता का दिव्य पेय) पाने के लिए समुद्र मंथन किया था। जब अमृत का कुंभ निकला, तो देवताओं और असुरों के बीच इसे पाने के लिए युद्ध हुआ। इस दौरान, अमृत की कुछ बूंदें इन चार स्थानों पर गिरीं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इसलिए, इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है।

कुंभ मेले का आयोजन उन स्थानों पर होता है जहां पवित्र नदियों का संगम होता है, जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम प्रयाग में। इन नदियों में स्नान करना हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

अब बात प्रयागराज और कुंभ के संबंधों की भी। प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) को कहा जाता है। प्राचीन काल से ही 'तीर्थराज' के रूप में प्रसिद्ध हुआ यह संगम स्थल पर हुए अनेक यज्ञों की वजह से, जिनमें पहला यज्ञ किया सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के तत्काल बाद। यज्ञवेदी है गंगा, यमुना और गुप्त रूप से बहने वाली सरस्वती की धारा, जो इस क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित करती है। 'पद्म पुराण' में इसकी तुलना साक्षात सूर्य से करते हुए कहा गया है कि जहां सरस्वती, यमुना और गंगा का संगम होता है, वहां स्नान करने वाले ब्रह्मपद को प्राप्त करते हैं। यह यज्ञ की महिमा ही है, जिसके कारण मान लिया गया है, कि जो प्रयाग की धरती पर पैर भी धर लेता है, उसे हर कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। प्रयाग में लगभग 70 हजार तीर्थ उपस्थित हैं। पद्म पुराण के अनुसार अपने घर में मृत्युशय्या पर पड़ा व्यक्ति भी, यदि दूर भी रहते प्रयाग का नाम

स्मरण कर ले तो ब्रह्मलोक का भागी होता है। 'मत्स्य पुराण' में कहा गया है कि युग चक्र पूर्ण होने पर जब रुद्र (शिव) पृथ्वी का विनाश करते हैं, प्रयाग तब भी नष्ट नहीं होता है, क्योंकि विष्णु वेणीमाधव, शिव अक्षय वटवृक्ष के रूप में और स्वयं ब्रह्मा छत्र में उपस्थित रहते हैं। शूलपाणि स्वयं वट की रक्षा करते हैं और यहां मृत्यु प्राप्त करने वाले को सीधे शिवलोक की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति संगम की मिट्टी का भी अपने शरीर पर स्पर्श करा लेता है, तो समस्त पापों से मुक्त हो जाता है और गंगा स्नान के बाद स्वर्ग के पुण्य का भागीदार बन जाता है। यहां यदि किसी को मृत्यु प्राप्त होती है, तो वह जन्म और मृत्यु के सांसारिक चक्र के बंधनों से मुक्त हो जाता है।

कुंभ मेला लाखों- करोड़ों लोगों को एक साथ आने का अवसर देता है। यहाँ विभिन्न साधु-संत, नागा साधु और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। यह एक ऐसा समय है जब लोग सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर भगवान की भक्ति में लीन होते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत उदाहरण है। यहां विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से लोग आते हैं, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। मेले में लोक नृत्य, संगीत, कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है, जो इसे एक रंगीन उत्सव बनाता है।

अगर धर्म-कर्म स हटकर बात करें तो कुंभ मेला सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यहाँ सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोग एक साथ आते हैं और मिलकर प्रार्थना करते हैं। यह एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। कुंभ मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में सिखों ने भी स्नान किया। इसमें आने वाले लोग कई तरह के त्याग और अनुशासन का पालन करते हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं, जमीन पर सोते हैं और सात्विक भोजन करते हैं। यह उन्हें अपने अंदर की शांति और संयम को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप आएंगे तो

कुंभ मेला हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो लाखों लोगों को आध्यात्मिक शांति और आनंद प्रदान करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो हिन्दू संस्कृति की विविधता और गहराई को दर्शाता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तब पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। यह खगोलीय संयोग इस मेले को और भी खास बना देता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और शांतिपूर्ण जमावड़ा होगा, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं।

कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यहाँ साधु, संत, नागा बाबा और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जो अपने ज्ञान और अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते हैं। यह मेला आत्म-खोज और आध्यात्मिक विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं और अपनी पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और वेशभूषा का प्रदर्शन करते हैं। कुंभ मेले का वैश्विक पर्यटन से संबंध है। दुनिया भर से पर्यटक इस मेले की भव्यता और आध्यात्मिकता को देखने के लिए आते हैं। यह भारत की संस्कृति और विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। आपको इतने विशेष मेले का हिस्सा तो बनना ही चाहिए।

न कहने वाला भी जीत सकता है जीवन मैराथन

ओवरथिंकिंग का समाधान

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक है।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक तरह का स्टिग्मा है और इसलिये लोग खुलकर अपनी बात नहीं कह पाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर 4 में से 1 व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य की स्थितियों से गुजर रहा है। इस बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है और यह हाई टाइम है। और यदि आप मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति में 1 रूपये का निवेश करते हैं तो इससे उस व्यक्ति की उत्पादकता में 4-4.5 रुपये की वृद्धि होती है।

'ओवरथिंकिंग से आज़ादी' जैसे विषय पर विचार करें तो समझ आता है कि हमें अपनी बाउंड्रीज पर काम करने की आवश्कता है। यदि हम अपनी सीमाओं को समझ लेते हैं तो हमारे लिए राह आसान होती है। 'ओवरथिंकिंग' सोचने और ज्यादा सोचने या अकारण सोचने के बीच की पतली लक़ीर है। हमें आदत और जरूरत, ज्ञान और सूचना में, सोचने और करने में फ़र्क करने की आवश्यकता है। इसी के साथ-साथ हमें यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि हमारे मन का होना और हमारे लिए सही होने में फ़र्क है। जीवन एक मैराथन दौड़ है और इसमें हर समय हाँ नहीं, न कहने वाला भी विजय हो सकता है। यह नहीं हो सकता, यह मेरे बस में नहीं है और यह में कर पाऊंगा/पाउंगी, इनके बीच के अंतर को समझ लेना, रेखांकित कर लेना भी जीवन को समझना है।

ओवर थिंकिंग और इससे होने वाले मानसिक स्वास्थ्य से निबटने के लिए जरुरी है कि हम संवाद करें। अपने आसपास के मित्र समूह, कोई

चिकित्सक, परिवार जन किसी से भी कहना उचित है। साथ ही मोटिवेट होना जरुरी है लेकिन एक्स्ट्रा मोटिवेशन का डोज हानिकारक है। ओवरथिंकिंग से आज़ाद होने के लिए किस तरह के उपाय किए जाए, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इस समस्या से निपटने के लिए प्रतिदिन 3-5 किलोमीटर का नेचर वॉक, योग, नशे से बचाव और फास्ट फ़ूड आदि से बचना तथा प्रतिदिन 7 घंटे की रात की नींद आवश्यक है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती पर विशेष

सुदर्शन व्यास

लेखक शोधार्थी एवं पत्रकार हैं।

पराक्रम के मायने जानना है तो नेताजी के विचार और कार्य पर गौर करिये

जब भारत अंग्रेजों की गुलामी से छूटने के लिए संघर्षरत् था, उस दौर में मां भारती के कई लालों ने देश को आज़ाद कराने के लिए हरसंभव कोशिश की। स्वातंत्र्य समर में एक शख्स ने लोगों को ये कहकर भरोसा दिलाया कि 'तुम मुझे खून दो - मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा...' राष्ट्रसेवा का महान संकल्प लेकर ये नारा देने वाली वो शख्सियत थी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस।

गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत को आज़ाद कराने में उस दौर के अनेक देशप्रेमियों ने अपने प्राणों का बलिदान तक दे दिया। उन महान हूतात्माओं में से एक सुभाष बाबू ने भारत को आज़ाद कराने के लिए अंग्रेजों की कल्पनाओं से परे रहकर विदेशी धरती पर एक नई सेना तक संगठित कर ली थी। अपने बौद्धिक पराक्रम के बल पर अंग्रेजों की नाक में दम करने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को उनके जीते जी ब्रिटिश हुकूमत कभी ढूंढ नहीं पाई थी।

असल में इस वर्ष यानि 23 जनवरी 2021 को सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती है। केन्द्र सरकार ने फैसला किया है कि अब से हर वर्ष पूरे देश में आज का दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इससे देश के लोगों विशेषकर युवाओं को विपत्ति का सामना करने में नेताजी के जीवन से प्रेरणा मिलेगी और उनमें देशभक्ति और साहस की भावना समाहित होगी। यकीनन, भारत सरकार का यह कदम स्वागतयोग्य है, हां ये बात और है कि सरकार को यह निर्णय लेने में 70 बरस लग गये।

नेताजी की जन्म जयन्ती पर पराक्रम दिवस के मायने उनके जीवन चरित्र से साफ़ तौर पर झलकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि अपने जीवनकाल में नेताजी के निर्णय पराक्रमता से ओतप्रोत ही रहे, क्योंकि जिस दौर में अंग्रेज़ों के सामने भारतीयों को दोयम दर्जे का व्यक्ति माना जाता था, ऐसे कठिन समय में नेताजी ने उस समय में सिविल सेवा परीक्षा में अव्वल चौथा स्थान प्राप्त किया था। देश को गुलामी की जंजीरों में जकड़ा देख उन्होंने सिविल सेवा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

जब साल 1939 में सुभाष चन्द्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए तो गांधी जी ने इसे अपनी व्यक्तिगत हार बताया। महात्मा गांधी के इस बयान के बाद नेताजी ने न सिर्फ अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, बल्कि कांग्रेस को भी हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

इतना ही नहीं, दूसरे विश्व युद्ध की आपदा को बोस ने भारत की स्वतंत्रता के अवसर के रूप में देखा था, उनका मानना था कि दुश्मन यानि अंग्रेजों के दुश्मन को दोस्त बनाकर भारत को स्वतंत्र किया जा सकता है। अंग्रेजों ने

जब उन्हें नज़रबंद किया तो वे अपने भतीजे की सहायता से अफगानिस्तान और सोवियत संघ होते हुए जर्मनी पहुंच गये।

उस दौर में साल 1933 से 36 तक यूरोप में रहते हुए उन्होंने हिटलर से भी मुलाकात की। तब जर्मनी वैसे ही इंग्लैण्ड से बदला लेना चाह रहा था, नेताजी का मानना था कि स्वतंत्रता हासिल करने के लिए राजनीतिक गतिविधियों के साथ ही कूटनीतिक और सैन्य सहयोग भी जरूरी है, इसीलिए उन्हें हिटलर और मुसोलिनी में भविष्य का मित्र दिखाई दिया था। जर्मनी के बाद नेताजी ने जापान का रुख किया और इसके बाद सीधे सिंगापुर पहुंचकर भारत से बाहर रह रहे भारतीयों को एकजुट कर अंग्रेजों के खिलाफ उन्हें संगठित करते रहे।

सिंगापुर पहुंचने के बाद नेताजी ने आज़ाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ली और महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजीमेंट का भी गठन किया। ये नेताजी की ओजस्वी क्षवि का ही परिणाम था कि देश को आज़ाद कराने के महनीय अभियान के लिए नेताजी की एक अपील पर विदेश में रह रहे भारतीयों ने बढ़ - चढ़कर न सिर्फ अपनी संपत्ति दान की बल्कि अपने खून का एक ङ्क एक कतरा देने के लिए भी किसी ने हिचक तक महसूस नहीं की थी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन की ये बड़ी घटनाएं हमें बताती है कि उनकी जन्म जयन्ती को पराक्रम दिवस के रुप में मनाने के मायने कितने महत्वपूर्ण हैं।

सड़कों पर ऊंचे-ऊंचे स्पीड ब्रेकर, उछल रहे वाहन, हादसों का अंदेशा

अमानक ब्रेकर बढ़ा रहे कमर दर्द और स्लिप डिस्क के मरीज

संजय द्विवेदी,बैतूल। शहर की सड़कों पर बने अमानक स्पीड ब्रेकर समस्या बनते जा रहे है। यह अमानक ब्रेकर लोगों को कमर दर्द, सर्वाइकल व स्लिप डिस्क जैसी बीमारियों का मरीज बना रहे हैं। इसके साथ ही इनसे लोग गिरकर घायल भी हो रहे हैं। क्योंकि सड़कों पर रात में ये ब्रेकर दिखाई नहीं दे रहे हैं। इससे हादसे का खतरा ज्यादा बढ़ गया है। शहर में लंबे समय से लोग इस समस्या से परेशान है और स्थानीय प्रशासन इस समस्या के समाधान पर ध्यान नहीं दे रहा है। दरअसल वाहनों की तेज रफ्तार को कंट्रोल करने के लिए सोनाघाटी से बाँसखापा टू-लेन सड़क के अलावा शहर की 21 किमी मुख्य सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाए है। जिसकी ऊंचाई मानकों के विपरीत है। वाहन चालक जब भी इन स्पीड ब्रेकरों को पार करते है, वाहन उछलकर असंतुलित हो रहे है। अधिक परेशानी महिलाओं व वृद्धों को हो रही है। उनके पैर जमीन तक नहीं पहुंचने पर लोग गिरकर चोटिल हो रहे है। बैतूल शहर की सड़कों पर प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर सड़कों पर ड्रिल करके ठोके जा रहे हैं।

हाइलाइटर पट्टी नहीं, रात में नहीं दिखते ब्रेकर – अमानक स्पीड ब्रेकर के निर्माण में न सिर्फ लापरवाही हुई है, बल्कि ब्रेकर दूर से नजर आये, इसके लिए ब्रेकरों पर हाइलाइटर (सफेद रंग की पट्टी) भी नहीं बनाई है। हाईलाइटर के अभाव में स्पीड ब्रेकर ठीक ढंग से समझ नहीं आते हैं। इससे रात के समय में वाहन चालकों को ब्रेकर नजर नहीं आते है। जिससे हादसा होना लगभग तय रहता है। कई कालोनियों में मनमर्जी से लोगों ने बिना मानक के स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं। हालात यह है कि ये स्पीड ब्रेकर हादसे रोकने के बजाय हादसे बढ़ा रहे हैं। कई कॉलोनियों की सडक़ों पर 100 से 200 मीटर की दूरी पर ही दो-तीन ब्रेकर बना दिए हैं। जो वाहन चालकों के लिए दर्दनाक साबित हो रहे हैं। इन ब्रेकरों के कारण हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही है।

सालभर में टूट गए थे ब्रेकर-

शहर में 21 किमी मुख्य सड़कें हैं। इनमें अधिकांश नगरपालिका की है। जो सड़कें लंबी हैं उन पर तेज रफ्तार से चालक वाहन दौड़ाते हैं। इनकी रफ्तार कम करने के लिए नगरपालिका अब फिर से शहर में प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगवा रही है। गौरतलब है कि शहर में वर्ष 2013 में नेहरू पार्क के आसपास प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगाए गए थे, नेहरू पार्क के आसपास पांच जगहों पर ये प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगाए गए थे। इसके अलावा सदर में भी 3 जगहों पर स्पीड ब्रेकर लगाए गए थे और गंज और टिकारी में भी इस तरह के प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगाए थे। ये स्पीड ब्रेकर वर्ष 2013 में लगे और 2014 में ही इनकी पूरी धज्जियां उड़ गई थी। इन स्पीड ब्रेकरों की कीले उखड़ गई थी, कईयों वाहन पंक्चर हो रहे थे। वहीं ब्रेकर के प्लास्टिक के टुकड़े-टुकड़े होकर निकल रहे थे। यहां तक की सड़कें भी खस्ताहाल एवं गड्ढे वाली हो गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि पहले कोर्ट में जनहित याचिका लगाने के चलते न्यायालय की ओर से लंबे समय तक प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर को असुरक्षित घोषित किया गया था। इस तरह के स्पीड ब्रेकर से नुकसान होने पर कुछ जागरूक लोगों ने जनहित याचिका लगवाई थी। इस कारण हाईकोर्ट में लंबे समय तक यह मामला रहा और एक लंबे समय तक प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर को लगाने पर रोक भी रही थी।

जबकि.... ये हैं स्पीड ब्रेकर के मानक – गाइडलाइन के अनुसार स्पीड ब्रेकर की अधिकतम ऊंचाई 4 इंच होनी चाहिए। ब्रेकर के दोनों ओर 2.2 मीटर का स्लोप दिया जाए, ताकि वाहन स्लो होकर बगैर झटका खाए निकल जाए। 6 से 8 इंच तक ऊंचाई वाले और बगैर स्लोप के ब्रेकर नहीं बनाए जाने चाहिए। स्पीड ब्रेकर के पहले चेतावनी चिन्ह लगे होने चाहिए। साथ ही ब्रेकर में सफेद या पीला पेंट एवं रेडियम होना चाहिए। जिससे दिन एवं रात में ब्रेकर दूर से ही वाहन चालकों को नजर आ जाए। लेकिन शहर में मानक के अनुसार स्पीड ब्रेकर नहीं बने हैं। जिसका खामियाजा वाहन चालकों को दुर्घटनाग्रस्त होकर चुकाना पड़ रहा है।

एक्सपर्ट व्यू – अमानक और ऊंचे-ऊंचे स्पीड ब्रेकर बुजुर्गों और रीड के हड्डी के मरीजों के लिए नुकसानदायक है। स्पीड ब्रेकर से गुजरने पर वाहन चालकों की रीढ़ की हड्डी को झटका लगता है। इससे हड्डियों का दर्द शुरू हो सकता है, जो धीरे-धीरे करके कुछ दिनों बाद कमर दर्द के रूप में सामने आती है। हर दिन अलग-अलग डॉक्टर्स के पास 50 से अधिक हड्डी से संबंधित मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

रूपेश पदमाकर, हड्डी रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल बैतूल

इनका कहना –

मैंने प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगाने की अनुमति नहीं दी है। मैं एई से पूछ लेता हूं कि कौन स्पीड ब्रेकर लगवा रहा है। मैं प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकर लगवाने पर रोक लगवाता हूं। डामर के ही स्पीड ब्रेकर लगवायें जायेगे। मैं आपकी बात से सहमत हूं।

– सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगर पालिका बैतूल

जहां जरूरत वहां नहीं, जहां बने वहां भी अमानक...

शहर में कई चौक-चौराहे ब्रेकर विहीन है। जहां ब्रेकर की आवश्यकता है, वहां ब्रेकर नहीं बने है। जहां बने है, उनमें से भी अधिकांश मानक मापदंडों के अनुसार नहीं है। वाहन चालकों का कहना है कि जब भी ब्रेकर से वाहन निकलता है तो एकाएक वाहन झटका लगता है या वाहन उछलता है। इससे रीड की हड्डी, कमर पर झटका लगता है। यदि दोपहिया वाहन पर पीछे महिला बैठी हो तो ब्रेकर से गाड़ी निकालते समय बेहद ध्यान देना पड़ता है। बता दे कि शहर के बस स्टैंड, लल्ली चौक, शिवाजी चौक, एसपी चौक, नेहरू पार्क चौक, कारगिल चौक, गेंदा चौक सहित अन्य सडक़ों पर यातायात का सर्वाधिक दबाव बना रहता है और सबसे अधिक दुर्घटनाएं भी इन्हीं स्थानों पर होती है, किन्तु वाहनों की गति को कंट्रोल करने के लिए कुछ ही सडक़ों या चौराहों पर ब्रेकर बनाये गये है।

सीएम राइज बैतूल बाजार में चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान के मॉडलों की कार्यप्रणाली को जाना

बैतूल। सीएम राइज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूलबाजार में बुधवार आंचलिक केंद्र भोपाल से चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान के मॉडल को देखा गया तथा उनकी कार्यप्रणाली को समझा। चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना हैंडस के द्वारा किया गया। चलायमान में विद्यार्थियों ने लगभग 20 मॉडल देखे, जिसमें ट्रांसफार्मर, मिक्सर ग्राइंडर, साउंड सिस्टम, कार के उपयोग हेतु 4 स्ट्रोक इंजन तथा दोपहिया वाहन हेतु 2 स्ट्रोक इंजन, पनडुब्बी, वाहनों के ब्रेक, फ्री-व्हील, जैक, सीसीटीवी कैमरा, चुम्बकीय प्रभाव, हेडपंप, इलेक्ट्रिक बेल, नल की आदि की कार्यप्रणाली को विद्यार्थियों ने सूक्ष्मता से जाना और समझा कि सभी मॉडल किस प्रकार कार्य करते है। इस अवसर पर प्राचार्य सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने कलेक्टर से की रेत मंडी के लिए भूमि आवंटन की मांग

बैतूल/ मुलताई। पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने कलेक्टर बैतूल को एक आवेदन पत्र प्रस्तुत कर जिले में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रेत मंडी स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इस संबंध में उन्होंने 2 एकड़ भूमि आवंटित करने की मांग की है। श्री पांसे ने कहा कि बैतूल जिले में व्यापारियों और संबंधित पक्षों के लिए रेत मंडी का संचालन आवश्यक है, जिससे व्यापार सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने सुझाव दिया कि यह मंडी शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थापित की जाए, ताकि व्यापारियों को अधिकतम सुविधा मिल सके और यातायात व्यवस्था पर कोई प्रभाव न पड़े। उन्होंने बताया कि रेत मंडी के संचालन से व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही इससे जुड़े सभी कार्यों में दक्षता आएगी। श्री पांसे ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस प्रस्ताव पर शीघ्र निर्णय लेगा और व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त कार्रवाई करेगा। इस आवेदन की प्रतिलिपि मुख्य डायरेक्टर खनिज, राजस्व मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन भोपाल, जिला खनिज अधिकारी बैतूल और नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर को भी भेजी गई है। संपर्क के लिए सेंड सप्लायर संघ और डंपर यूनियन जिला बैतूल के अध्यक्ष राजकुमार दीवान (यादव) का उल्लेख किया गया है, जिन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस प्रस्ताव पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है और बैतूल जिले में व्यापारिक विकास को बढ़ावा देने के लिए यह योजना कब तक मूर्त रूप लेती है।

महिला पार्षद ने कहा: थाना रोड से दैनिक बाजार हटा तो करेंगे आंदोलन

- नगर पालिका अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/मुलताई । विवेकानंद वार्ड मुलताई की पार्षद अंजली सुमित शिवहरे ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि थाना रोड पर लगने वाले दैनिक बाजार को यथावत अपने स्थान पर ही लगे रहने देवे। महिला पार्षद ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा है कि समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि नपा प्रशासन द्वारा गुरुसाहब मंदिर से लेकर थाना रोड तक लगने वाले दैनिक बाजार को किसी अन्य स्थान पर लगाये जाने की तैयारी की जा रही है, इस निर्णय को लेने से पूर्व प्रशासन द्वारा ना ही किसी जनप्रतिनिधी से चर्चा की गई और ना ही इस संबंध में कोई जानकारी दी गई। जो कि पूर्णतया गलत है। यह स्थान दैनिक बाजार के लिए पूर्णतः सुरक्षित एवं उपयुक्त है एवं इस मार्ग पर किसी प्रकार के बडे वाहनों की आवाजाही नहीं है यह मार्ग नगर के मध्य में स्थित है। इस दशा में इस स्थान से बाजार हटाए जाने पर अपनी आपत्ति दर्ज करती हूं और अगर भविष्य में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों से चर्चा किए बिना, बाजार हटाने को लेकर कार्यवाही करता है, तो हम लोग आंदोलन हेतु बाध्य होंगे।

वायगांव श्री राम मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर संपन्न

- चार महिला सहित 30 युवाओं ने किया रक्तदान

बैतूल/मुलताई । मुलताई क्षेत्र के ग्राम वायगाव में राम मंदिर समिति श्री क्षेत्र वायगाव द्वारा श्री राम मंदिर परिसर में अयोध्या में रामजी की प्राण प्रतिष्ठा के 1 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 30 युवाओं ने रक्तदान किया, जिसमें चार महिलाएं भी शामिल है। मंदिर समिति से जुड़े दुर्गेश भोयरे ने बताया कि मंदिर परिसर में समिति द्वारा प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। समिति द्वारा किए जा रहे रक्तदान शिविर का यह छटवां वर्ष है। इस वर्ष राम मंदिर समिति के 26 युवा साथियों ने रक्तदान किया, जिसमें मंदिर समिति के अध्यक्ष पंढरीनाथ पाटनकर ने लगातार 11वीं बार रक्तदान किया है। इस बार रक्तदान करने वाले युवाओं में भारी उत्साह था, साथ ही हमारे रक्तदान करने से किसी की जान भी बच सकती है। ऐसी प्रेरणा लेते हुए युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समिति अध्यक्ष ने बताया कि भविष्य में भी रक्तदान शिविर का आयोजन होते रहेगा। रक्तदान शिविर में मासोद अस्पताल से डॉ विवेक बारस्कर, पूजा गायकवाड एवं बैतूल से मुकेश कुमरे, टेक्नीशियन राजेश बोरखेडे, निलेश जावलकर, विशाल लोखंडे, संतो इवने, जनपद सदस्य जयश्री पाटनकर, उपसरपंच संजू लिखितकर, सहसचिव अजय निराटकर, रवि बोहरपी ने अपने पूरे युवा साथियों को लेकर रक्तदान कराया। रक्तदाता युवाओं को रक्तदान के प्रति जागृत करने के लिए युवाओं को श्री राम मंदिर समिति द्वारा रक्त क्रांति सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

नपा के आनंद उत्सव में खेल संगीत सहित अन्य गतिविधियों का हो रहा आयोजन

बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं उठा रहे आनंद

बैतूल । मध्य प्रदेश शासन की आनंद विभाग के आदेश अनुसार नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर के वार्डों में आनंद उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है जिसमे सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले रहे हैं । इस आयोजन में मुख्य रूप से पारंपरिक खेलकूद संगीत नृत्य गायन भजन कीर्तन नाटक रंगोली प्रतियोगिता आदि शामिल है। इस संबंध में बैतूल नगर पालिका के नगर परियोजना प्रबंधक हंसराज मसतकर ने बताया कि बैतूल नपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मतसेनिया के मार्गदर्शन में नगर के वार्डों में 14 जनवरी से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के मनोरंजन पारंपरिक खेल, लोक संगीत, भजन कीर्तन, चित्रकला रंगोली प्रतियोगिता, सौंदर्यीकरण और स्वच्छता रैली आदि गतिविधियां कराई जा रही है। जिसमें महिलाओं एवं बुजुर्गों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है रहा है।

इस आनंद उत्सव में महिलाओं एवं बुजुर्गों को न केवल मनोरंजन का अवसर प्रदान किया है बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक इस आनंद उत्सव में खास तौर से बच्चे बूढ़े और स्व सहायता समूह की महिलाएं भरपूर आनंद ले रहे हैं। जिसमे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर स्वयं कार्यक्रमों में मौजूद होकर महिलाओं को उत्साहवर्धन कर रही है। बेहद ही गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित इस आनंद उत्सव 2025 में पारंपरिक खेलकूद संगीत चित्रकला रंगोली प्रतियोगिता आदि के साथ-साथ सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वच्छता को लेकर नगर में स्वच्छता रैली का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोगों में स्वच्छता बनाए रखने की भावना जागृत रहे। शासन की मंशा है कि इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए । जिसमे पारंपरिक खेलकूद जैसे कबड्डी , खो खो, रस्साकसी ,कुर्सी दौड़, पिट्ठू, चम्मच दौड़, नींबू दौड़ के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोकगीत, नृत्य, गायन,भजन ,कीर्तन नाटक आदि स्थानीय स्तर पर जीवंत बना रहेगा ।

24 शिविरों में 1950 लोगों को मिला आयुष चिकित्सा का लाभ

बैतूल। जिले में आयुष विभाग द्वारा निश्क्षय अभियान, मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान और आनंद उत्सव 2025 के अंतर्गत विभिन्न आयुष प्रचार-प्रसार शिविरों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के जरिए स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के साथ योग, मेडिटेशन और औषधीय पौधों की जानकारी देकर जन जागरूकता बढ़ाई गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन योजनांतर्गत जिले की सभी 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों ने 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान में भाग लिया। इस दौरान 160 अधिकारियों और कर्मचारियों ने निःक्षय पोर्टल पर प्रतिदिन डेटा एंट्री कर अभियान को गति दी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ललिता धाकड़े, डॉ. मीनाक्षी चौरासे और डॉ. पाढर ने इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

षट्तिला एकादशी पर निकलेगी प्रभात फेरी

श्री लीला देव बाबा मंदिर ट्रस्ट विनोबा नगर का आयोजन

बैतूल। विनोबा नगर स्थित लीला देव बाबा मंदिर द्वारा माघ मास की पावन षटतिला एकादशी के अवसर पर भजन-कीर्तन प्रभात फेरी का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम शनिवार, 25 जनवरी को सुबह 5.30 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित होगा। मंदिर परिसर में भक्तों का यह आयोजन भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत होगा। प्रभात फेरी में भजन-कीर्तन की स्वर लहरियां गूंजेंगी, जिसमें स्थानीय भक्तगण हिस्सा लेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम भगवान की कृपा और भक्तिभाव के विस्तार के उद्देश्य से रखा गया है। सभी श्रद्धालु सुबह तय समय पर लीला देव बाबा मंदिर पहुंचकर इस विशेष आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। यह आयोजन माघ मास की षटतिला एकादशी के महत्व को रेखांकित करते हुए भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करेगा।

कुंडी टोल प्लाजा पर छूट दिए जाने की मांग

ग्रामवासियों ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/शाहपुर। तहसील के ग्राम कुण्डी परिक्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-47 पर बने टोल प्लाजा से आवागमन में छूट दिए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ग्राम पंचायत सरपंच वीरेंद्र सिंह उईके के नेतृत्व में ग्राम वासियों ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामवासियों ने बताया कि नवनिर्मित टोल प्लाजा का कार्य ग्राम कुण्डी के परिक्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग में संचालित है, जो आगामी दिनों में प्रारंभ हो जाएगा। शासन की नीति व सरकार की मंशा अनुरूप राष्ट्रीय स्तर पर राजस्व की बढ़ोत्तरी के लिए टोल प्लाजा से आने और जाने वाले वाहनों से निर्धारित राशि का भुगतान लिया जाएगा। बगैर भुगतान के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। कुंडी सरपंच वीरेंद्र उईक ने बताया कि ग्राम कुंडी के आसपास 5 से 6 गांव है। इन ग्रामों के कृषक, ग्रामीणों को विद्युत कार्यालय, तहसील, एसडीएम, जनपद कार्यालय, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अन्य कार्यो के लिए ग्राम कुंडी से शाहपुर आना-जाना पड़ता है। ऐसे में कुण्डी परिक्षेत्र में बने टोल प्लाजा पर ग्रामीणों को निर्धारित राशि का भुगतान करना होगा।

अधिकांश ग्रामीण कृषि तथा मजदूरी कार्य करते हैं। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने कुंडी परिक्षेत्र में बने टोल प्लाजा से आवागमन में राशि में छूट दिए जाने की मांग की है।

सर्विस रोड बनाए जाने की मांग – इस दौरान ग्रामवासियों ने फोरलेन मगरडोह जोड़ से नवरंग ढाना कुंडी तक सर्विस रोड बनाए जाने की भी मांग की। ग्राम वासियों ने बताया कि सर्विस रोड नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आए दिन दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। इस अवसर पर श्रीमती सरस्वती देवराज धुर्वे, सरपंच वीरेन्द्र सिंह उईके, सुधाकर कोसी, शिवकुमार चौरे, नवील वर्मा विधायक मीडिया प्रभारी, बृजेश कवड़े पूर्व जनपद सदस्य, शंकर पंद्राम एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

गन्ने के ट्रैक्टर में घुसी बाइक, एक की मौत, एक घायल

बैतूल। मंगलवार रात सडक़ किनारे खड़ी गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में एक बाइक से आ रहे 2 युवक घुस गए। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरे को चोटें आई हैं। हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लावन्या जोड़ के पास हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार लावन्या जोड के पास गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खडी थी। वहीं ट्रैक्टर चालक रोड पर खडा होकर मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी बीच बेहडीढाना (घोडाडोंगरी) निवासी पिंटू पिता टेटू सलाम (20 वर्ष) और संतराम पिता मिस्त्री परते (25 वर्ष) वहां से गुजर रहे थे। बाइक पिंटू चला रहा था। यह दोनों मर्दवानी से इमलीढाना जा रहे थे। बताया जाता है कि ट्रैक्टर ड्राइवर को बचाने के प्रयास में बाइक चालक पिंटू ने बाइक से नियंत्रण खो दिया और बाइक गन्ने से भरी ट्रॉली में जाकर घुस गई। इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। हादसे की सूचना 108 एंबुलेंस को दी गई। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। यहां अस्पताल पहुंचते ही बाइक चालक पिंटू की मौत हो गई। वहीं संतराम को मामूली चोटें आई हैं, जिसका इलाज किया गया। सूचना पर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ग्राउंड में 1 फरवरी से लगेगा दस दिवसीय स्वदेशी मेला

बैतूल के पारंपरिक उत्पादों को मिलेगा मंच, स्वदेशी जागरण मंच की पहल

बैतूल। पुलिस ग्राउंड में 1 फरवरी से 10 फरवरी तक स्वदेशी मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना और उन्हें पहचान दिलाना है। यह स्वदेशी मेला, मेला पालक मुकेश खंडेलवाल, स्वदेशी मेला विभाग सहसंयोजक घनश्याम मदान, जिला संयोजक नीलेश गिरी गोस्वामी, जिला समन्वयक राजेश शुक्ला, जिला सह समन्वयक राहुल कावले, मेला संयोजक धर्मेंद्र परिहार, मेला सहसंयोजक हेमलता कुंभारे और उज्जवल प्रताप सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में जिला कलेक्टर के आदेशानुसार बैतूल एसडीएम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी संबंधित विभागों को इस बारे में सूचना दे दी गई है। मेला संयोजक धर्मेंद्र परिहार ने बताया कि मेले में बैतूल जिले के विभिन्न हिस्सों से स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें जिले के ऐतिहासिक और पारंपरिक उत्पाद शामिल होंगे। मेले में जिले के लोग बढ़-चढक़र हिस्सा ले रहे हैं। इस मेले के माध्यम से पहली बार बैतूल जिले में स्वदेशी उत्पाद निर्माताओं को मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। यह मेला जिले के पारंपरिक और ऐतिहासिक उत्पादों को पहचान दिलाने का सुनहरा अवसर है। हर व्यक्ति अपने स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी में भाग ले सकता है। धर्मेंद्र परिहार ने सभी से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध उत्पादों के साथ इस मेले में भाग लें और अपने क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और परंपरा का हिस्सा बनें।

सिकल सेल स्क्रीनिंग लक्ष्य समय से पहले पूरा, राज्यपाल ने दी बधाई

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल स्क्रीनिंग में शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश ने अब तक कुल 90 लाख 98 हज़ार 902 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग कर समय पूर्व वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति करने की सफलता अर्जित की है। मध्यप्रदेश ने 53 लाख 87 हज़ार 892 सिकल सेल कार्ड वितरण कर, देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सिकल सेल उन्मूलन का संकल्प मध्यप्रदेश की धरती से ही लिया है। प्रदेश सरकार भी वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए आगे आए। सिकल सेल की जागरूकता में सहयोग कर प्रदेश को स्वस्थ और सशक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता करे।

एम्स भोपाल में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान में समस्त संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने किया। अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हिंदी में काम करने की आदत डालने के लिए इस तरह की कार्यशाला काफी महत्वपूर्ण होती है। हम अपने कामकाज में हिंदी के सरल और प्रचलित शब्दों को अपनाएं जिससे कि लोगों को समझने में आसानी हो और राजभाषा का प्रचार प्रसार हो सके। सबके प्रयास से हम अधिक से अधिक कार्य राजभाषा में कर सकेंगे। इस कार्यशाला के दौरान उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल (डॉ) अजीत कुमार ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं से हिंदी में काम करने में सुगमता एवं प्रवीणता होती है और यह बहुत अच्छी पहल है। इस कार्यशाला से अधिक से अधिक लोग सीखें और हिंदी में काम करने का प्रयास करें जिससे राजभाषा का विकास हो सके। कार्यशाला के प्रथम सत्र में एम्स भोपाल के स्वास्थ्य प्रशिक्षक श्री समद हाशमी एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता डॉ. ऋषि पांडे द्वारा प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य का मानव जीवन पर प्रभाव विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में श्री हेमंत कुमार जायसवाल, सलाहकार (राजभाषा), एवं सुश्री अंजू चौहान, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, द्वारा हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के लिए ध्यान देने योग्य बिंदुओं पर मार्गदर्शन किया गया। इस कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एम्स भोपाल के ईएनटी रेजिडेंट्स ने एओआईसीओएन 2025 में शीर्ष सम्मान प्राप्त किए

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संस्थान में शैक्षणिक श्रेष्ठता और ज्ञान के आदान-प्रदान को एक प्रेरक परंपरा के रूप में विकसित कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से संकाय सदस्य और छात्र निरंतर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। हाल ही में, ईएनटी (कान, नाक और गला) विभाग के रेजिडेंट्स ने कोच्चि में आयोजित एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एओआईकॉन 2025) के 76वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। एओआईकॉन भारत का सबसे बड़ा वार्षिक ईएनटी सम्मेलन है, जिसमें इस वर्ष लगभग 3000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. अपर्णा जी. चव्हाण (विभागाध्यक्ष, ईएनटी-एचएनएस), डॉ. विकास गुप्ता (प्रोफेसर, ईएनटी-एचएनएस विभाग) और अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में,एम्स भोपाल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने एओआईकॉन में प्रतिष्ठित क्विज प्रतियोगिताओं की विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त किए। प्रसिद्ध प्रेम कक्कड़ ईएनटी क्विज में, एम्स भोपाल के रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. शिवम गोर और डॉ. रश्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा, राइनोलॉजी क्विज में डॉ. रश्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि डॉ. शिवम गोर और डॉ.देब्रुप पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रो. सिंह ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, यह सफलता हमारे रेजिडेंट डॉक्टरों और संकाय सदस्यों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। एओआईकॉन जैसे कार्यक्रम युवा शोधकर्ताओं को विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रदेश की अधोसंरचना विकास के लिये नागरिक दें सुझाव: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के अधोसंरचना विकास को लेकर नागरिकों से सकारात्मक सुझाव आमंत्रित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में जन-सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। नागरिक अपने बहुमूल्य सुझाव मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज सकते हैं। सरकार इन सुझावों पर गंभीरता पूर्वक विचार करेगी। अच्छे सुझावों पर अमल करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 23 जनवरी को भोपाल में जीजी फ्लॉय ओवर (गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक) का लोकार्पण होगा। यह फ्लॉय ओवर शहर के यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से बनाया गया है। जीजी फ्लॉय ओवर के लोकार्पण से क्षेत्र के निवासियों को न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यातायात में होने वाली असुविधा भी स्थायी रूप से दूर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोकार्पण सरकार द्वारा 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक प्रदेश में चलाये जा रहे मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत विकास कार्यों के जरिये प्रदेश की जनता को दी जा रही सुविधाओं में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुणे रवाना होने से पहले मीडिया को दिये संदेश में यह बात कही।

पिता-मौसा की मौत के घंटे भर बाद पैदा हुई बेटी

● **भोपाल में डिवाइडर से टकराकर कार पलटी, प्रेग्नेंट पत्नी को अस्पताल ले जा रहे थे**

भोपाल (नप्र)। मंगलवार-बुधवार की रात भोपाल के हलालपुरा बस स्टैंड के पास एक अल्टो कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में दो युवकों, महेंद्र मेवाड़ा (25) और सतीश मेवाड़ा की मौत हो गई। दोनों रिश्ते में साढ़ू थे। किसान महेंद्र मेवाड़ा रातीबड़ के मूडला गांव का रहने वाला था। वो अपनी गर्भवती पत्नी बबली को लेबर पेन के कारण कृष्णानी अस्पताल ले जा रहा था। कार में महेंद्र की मां और बुआ के साथ साढ़ू सतीश भी सवार थे। हादसे में बबली, उसकी सास बताशी बाई और बुआ सास मुन्नी बाई को भी चोटें आई हैं। हादसे के बाद बबली ने बच्चे को जन्म दिया। दोनों सुरक्षित हैं।

अल्टो कार बेकाबू होकर पलट गई: मंगलवार-बुधवार की रात महेंद्र की पत्नी बबली को लेबर पेन हो रहा था, इसलिए स्वाभाविक रूप से वो कार तेज चला रहा था। लालघाटी के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें महेंद्र और बगल वाली सीट पर बैठे सतीश मेवाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को फौरन स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने महेंद्र और सतीश को मृत घोषित कर दिया।

सीएम यादव ने मप्र में निवेश के लिए दिया आमंत्रण

पुणे में मोहन यादव बोले-सीमा पर सैनिक रक्षा करता है तो उद्योगपति देश को मजबूती देते हैं

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुणे में उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ एक इंटरेक्टिव सेशन में चर्चा की। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एसीएस संजय दुबे, उद्योग विभाग के पीएस राघवेंद्र सिंह और कई प्रमुख उद्योगपति उपस्थित थे। सीएम ने कहा-मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। पुणे और मध्य प्रदेश के शहरों के बीच आवागमन का महत्व इस रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाता है। डेढ़ सौ से अधिक वीडियो कोच बसें और नियमित उड़ानें यह दर्शाती हैं कि दोनों राज्यों के बीच कितना प्रेम और सहयोग है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र ने राष्ट्रवाद की प्रेरणा दी और बाबा महाकाल की आस्था में भी महाराष्ट्र का योगदान है। अहिल्या माता की 300वीं जयंती पर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच जुड़ाव का एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ रहा है। अहिल्या माता ने शासनकाल में किसानों और आजीविका के लिए उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किए।

उद्योगपतियों की भूमिका को सराहा - डॉ. यादव ने उद्योगपतियों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, देश की सीमाओं की रक्षा जवान करते हैं, लेकिन देश को मजबूत बनाने में उद्योगपतियों की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। वे हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इंग्लैंड को आर्थिक दृष्टि से पीछे छोड़ते हुए 11वीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया है। यह हमारे सामर्थ्य का प्रतीक है।

विदेश नीति पर चर्चा -सीएम ने भारत की विदेश नीति पर मोदी सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, अमेरिका ने ट्रंप के शपथ समारोह में भारत के विदेश मंत्री को सम्मानित स्थान देकर भारत की महत्ता को स्वीकार किया। रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर भी भारत की संतुलित भूमिका ने देश को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है।

मप्र में निवेश की नई संभावनाएं - मुख्यमंत्री ने कहा, मध्य प्रदेश में छोटे-छोटे इन्वेस्टर समिट्स के जरिए निवेशकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इंदौर न केवल स्वच्छता की राजधानी बन चुका है, बल्कि व्यापार का भी प्रमुख केंद्र है। पीथमपुर और मंडीदीप जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास के लिए हर संभव कदम उठा रही है और आने वाले समय में उद्योगों के लिए मध्य प्रदेश देश का प्रमुख केंद्र बनेगा।

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में ''चीता द प्राइड ऑफ इण्डिया'' की थीम पर केन्द्रित होगी म.प्र.की झाँकी

राजपथ पर दिखेगी मध्यप्रदेश में चीतों की ऐतिहासिक पुर्नस्थापना की झलक

भोपाल (नप्र)। नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड-2025 में मध्यप्रदेश की झाँकी ''चीता द प्राइड ऑफ इण्डिया'' की थीम पर केन्द्रित होगी। झाँकी में मध्यप्रदेश में चीतों की ऐतिहासिक पुर्नस्थापना की झलक दिखेगी। भारत से 70 वर्ष पूर्व चीते विलुप्त हो चुके थे, भारत में चीतों की वापसी का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को जाता है। प्रदेश में चीता परियोजना की सफलता के साथ अब मध्यप्रदेश ''टाइगर स्टेट'' और ''चीता स्टेट'' भी बन गया है। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नदी के किनारे स्थित राष्ट्रीय कूनो अभयारण्य देश में चीतों का एक नया घर है। अभयारण्य में चीतों के लिये उचित आहार और प्राकृतिक आवास मौजूद हैं। पुर्नस्थापना की सफल परियोजना के परिणाम स्वरूप कूनो में वयस्क और शावक सहित कुल 24 चीते अभयारण्य में विचरण कर रहे हैं।

प्रदर्शनी का चित्रण - प्रस्तुत झाँकी में भारत में चीतों के सफल पुर्नस्थापन को दर्शाया गया है। अग्रभाग में कूनो राष्ट्रीय उद्यान के वयस्क चीतों का जोड़ा और कूनो में जन्मे नन्हें चीता शावकों को दर्शाया गया है। झाँकी के मध्य भाग में बहती हुई कूनो नदी और इसके आसपास राष्ट्रीय उद्यान के वनावरण एवं प्राकृतिक आवास में विचरण करते हुए वन्य-जीव, जिनमें हिरण, बंदर, पक्षी और चीते उनकी बढ़ती हुई संख्या के साथ जैव-विविधता के लिये एक आदर्श के रूप में कूनो अभयारण्य को दर्शाया गया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के सफल आयोजन के लिए अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित होगी समिति

मुख्य सचिव जैन ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल । मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बुधवार को मंत्रालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने समिट के सफल आयोजन एवं समन्वय के लिए अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित करने के निर्देश दिये। समिति में लोक निर्माण, उद्योग, नगरीय प्रशासन, पर्यटन एवं ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव सदस्य होंगे। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि समिट के दौरान स्थायी प्रकृति के कार्य भी किये जायें, जिसमें खर्च की पुनरावृत्ति नहीं हो सकेगी। आमंत्रित अतिथि प्रदेश एवं विशेषकर भोपाल एवं आसपास की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को समझ सकें ऐसी व्यस्थाएँ की जाये। स्वच्छ एवं हरित भोपाल की अवधारणा पर कार्य किया जाये। बैठक में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के लिए प्रधानमंत्री के प्रोटोकाल, इंदौर-भोपाल एयरपोर्ट की व्यवस्थाएं, स्टेट हेंगर, चार्टर्ड प्लेन, मीडिया प्लान, आमंत्रित अतिथियों की सूची, यातायात व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट सहित अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था आदि की जानकारी दी गयी। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्री के.सी.गुप्ता, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मण्डलोई, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल, कमिश्नर भोपाल श्री संजीव सिंह, पुलिस कमिश्नर भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र एवं भोपाल कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह उपस्थित थे।

आमजन 3 दिन तक कर सकेंगे राजभवन की ऐतिहासिकता का साक्षात्कार

● **26 जनवरी को 11 से 2 बजे तक होगी भ्रमण की अनुमति**

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन 25 जनवरी से 27 जनवरी 2025 तक आमजन के लिए खोला जा रहा है। इस अवधि में आमजन राजभवन की ऐतिहासिकता का साक्षात्कार कर सकेंगे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता ने बताया कि नागरिक निर्धारित अवधि 25 और 27 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक और गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक राजभवन का अवलोकन कर सकेंगे।

राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर नागरिकों को 1796 ई. की ऐतिहासिक तोप और 1887 ई. में बना सुन्दर वैक्केंट हॉल देखने मिलेगा। वैक्केंट हॉल का वास्तुशिल्प और झूमर विशेष दर्शनीय है। इसी प्रकार संदीपनि सभागार स्थित उपहार गैलरी, आर्टिफिशियल वाइल्ड लाइफ पर आधारित पंचतंत्र उद्यान, सुन्दर-सुसज्जित लॉन, विभिन्न प्रजातियों के मनमोहक फुल-पेड़-पौधे भी देख सकेंगे। राजभवन में आने वाले आगंतुकों का गेट नंबर-2 प्रवेश और निकास होगा। वाहन पार्किंग मिंटो हॉल परिसर में रहेगी।

एनएसयूआई ने माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के लोकपाल के खिलाफ पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा

भोपाल। बुधवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के लोकपाल ओमप्रकाश सुनराया के खिलाफ एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। लोकपाल पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी एवं धार्मिक भड़काऊ पोस्ट करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में बीते रविवार को एनएसयूआई ने रातीबड़ थाने में भी शिकायत की थी।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि एमसीयू लोकपाल लगातार सोशल मिडिया पर लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कई अन्य जनप्रतिनिधियों और धार्मिक भड़काऊ पोस्ट कर रहे हैं। चौकसे ने कहा कि पुलिस कमिश्नर महोदय से मांग की है कि लोकपाल के विरुद्ध जांच कर जल्द से जल्द एफआईआर दर्ज कराएं। यह घटना निंदनीय है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि लोकपाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होती है तो एनएसयूआई न्यायालय का रुख करेगी।

प्रदेश सह सचिव अमन पठान ने कहा कि लोकपाल जैसे सम्मानित पद पर रहते हुए इस प्रकार की टिप्पणियां करना न केवल पद की गरिमा के विपरीत है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी हमला है। एनएसयूआई एक विशेष धर्म को लेकर भड़काऊ टिप्पणियों की निंदा करती है। विश्वविद्यालय प्रभारी तनय शर्मा ने कहा कि लोकपाल को लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी जी एवं कांग्रेस पार्टी से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा एनएसयूआई लोकतांत्रिक व्यवस्था और सभी संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करती हैं, लेकिन अगर कोई सार्वजनिक पद पर रहते हुए इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करता है, तो इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान गगन सिंह, आशीष शर्मा, प्रतीक यादव, अमित पवार आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिवराज सिंह चौहान ने डेयरी और इससे संबद्ध क्षेत्रों में एनडीडीबी और इसकी सहायक संस्थाओं द्वारा की जा रही महत्वपूर्ण गतिविधियों की समीक्षा की

श्री चौहान ने एनडीडीबी के कार्यों को मिशन मोड में आगे ले जाने के लिए मार्गदर्शन किया

एनडीडीबी महिलाओं के लिए दुग्ध क्षेत्र में रोज़गार के अवसर बढ़ाए

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज डेयरी और इससे संबद्ध क्षेत्रों में एनडीडीबी और इसकी सहायक संस्थाओं द्वारा की जा रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और कृषि से संबद्ध क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड - एनडीडीबी द्वारा प्रस्तावित किसानोन्नमुख नयी गतिविधियों की समीक्षा की और इन्हें मिशन मोड में आगे ले जाने के लिए मार्गदर्शन दिया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक व सचिव डॉ़ हिमांशु पाठक, पशुपालन और डेयरी विभाग की सचिव डॉ अल्का उपाध्याय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अपर सचिव सुश्री वर्षा जोशी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव श्रीमति मनिन्दर कौर द्विवेदी, एनडीडीबी के अध्यक्ष डॉ मीनेश शाह एवं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

भोपाल में भक्तों ने भगवा गुब्बारे उड़ाकर और प्रसाद बांटकर मनाया जश्न

भोपाल। भगवान राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के अवसर पर भोपाल में भक्तों ने विशेष आयोजन किया। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के तत्वावधान में गोविंद गार्डन रायसेन रोड पर रामभक्तों ने आसमान में भगवा गुब्बारे उड़ाए। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा के नेतृत्व में जय श्री राम के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में फल का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सचिन सेवारमानी, रज्जो पटेल, राजू रामचंदानी, संदीप सिंह, चंदन सिंह, एस एन अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, मनीष पावसे, अवनीश श्रीवास्तव, अमित भार्गव, नबाब खान, राधेश्याम कैलासिया, प्रदीप सोनी, दिलीप धर्मानी सहित मंडल के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश भी दिखाई दिया, जहां नबाब खान जैसे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

निचले स्तर के करप्शन में भी भाजपा पीछे नहीं है

जब तक किसानों को न्याय नहीं मिलेगा किसानों के न्याय के लिए यात्रा जारी रहेगी: जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अरुण यादव ने आज जबलपुर जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान के तहत कार्यकर्ताओं के साथ बैठक और पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। वहीं मंडला के अंजनिया मांद में किसान न्याय यात्रा को संबोधित किया। इस दौरान नेतागणों ने कांग्रेसजनों और अंबेडकर जी के अनुयायियों से महू में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचने का आव्हान किया।

श्री पटवारी ने जबलपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि भाजपा ने एक मुख्यमंत्री नहीं 6 मुख्यमंत्री हैं और रोज भाजपा को चुनौती देते हैं। सारे मंत्री लूटने में लगे हुये हैं। यह क्या नहीं खाते यह पहले राशन खा गये, फिर कुपोषण बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार में करप्शन में चमचे, कलछी के नाम पर राशि खा गयी। यानि भाजपा निचले स्तर के मापदण्ड पर करप्शन करने में भी पीछे नहीं है। भाजपा अंबेडकर के नाम पर गुमराह कर रही है। जो लोग अंबेडकर जी को भगवान मानते हैं, हम उनके साथ हैं, क्या भाजपा, आरएसएस अंबेडकर को भगवान मानती है? मोहन यादव और वीडी शर्मा को चुनौती दी थी।

श्री पटवारी ने कहा कि भ्रष्टाचार के कैंसर का सरकारी परिवहन करने वाला सौरभ शर्मा अब तक गिरफ्त में क्यों नहीं आया? सौरभ शर्मा ने मंत्रियों, अधिकारियों के काले धन का जो सबूत दिया है, भाजपा ने उसकी जांच में किसे दोषी पाया, और क्या कार्यवाही की गई। मोहन सरकार के मंत्रियों के घोषित भ्रष्टाचार पर सरकार ने क्या कार्यवाही की? कर्ज और कमीशन के कल्चर को सरकार कैसे रोकेगी? प्रदेश की जनता के सामने अपना संकल्प पत्र लेकर आने वाली भाजपा सरकार ने किसानों और महिलाओं से किये वादे अब तक पूरे क्यों नहीं किये, सरकार वादे कब पूरे करेगी? उन्होंने कहा कि वल्लभ भवन से ही सीधे संचालित होने वाले करप्शन को रोकने के लिए क्या कमी मंत्रीमंडल की बैठक में कोई प्रस्ताव पारित किया गया अथवा किया जायेगा? मप्र के सबसे असफल गृहमंत्री का तमगा लिये मुख्यमंत्री दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हो रहे अपराधों को कब रोकेंगे?

नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार ने कहा कि प्रदेश में लूट, खसोट और अहंकार की सरकार चल रही हैं। भाजपा नेताओं द्वारा अपने अहंकार के चलते लोगों को डरा, धमकाकर उनसे वसूली की जा रही है, उससे प्रदेश का हर वर्ग आक्रोशित हैं। प्रदेश में किसानों से किये वादे को पूरा नहीं किया, कांग्रेस किसानों की लड़ाई को सदन में पूरी ताकत के साथ लड़ेंगी।

श्री अरूण यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेंगी। किसानों ही नहीं प्रदेश की जनता के साथ इस सरकार ने धोखा किया हैं, जो वादे किसानों, महिलाओं, युवाओं से किये वह एक भी पूरा नहीं किया। इस अवसर पर जबलपुर और मंडल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस उपस्थित थे।

चोरी करने घुसे युवकों को लोगों ने पीटा

● **घर की मालकिन ने देखा तो शोर मचाया**

भोपाल । भोपाल में भीड़ ने दो चोरों को जमकर पिटाई कर दी। अधमरा होने के बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया है। पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। मामला कमला नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात का है।पुलिस ने बताया- जामनी बाई (35) राहुल नगर झुग्गी बस्ती में रहती हैं। वे गृहिणी हैं। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे उन्हें घर में किसी के घुसने की आहट हुई। उठकर देखा तो दो युवक खड़े थे।

शोर मचाया तो गेंती का दस्ता फेंककर मारा - जामनी बाई ने शोर मचाया तो आरोपियों में से एक ने पास ही रखी गेंती का दस्ता फेंककर मारा। ये महिला के हाथ में लगा। चीख सुनकर पड़ोसियों की नींद खुल गई। उन्होंने भागने की कोशिश कर रहे दोनों चोरों को पकड़ लिया। भीड़ ने दोनों युवकों की पिटाई कर दी। हालांकि, सामने आए घटना के वीडियो में कुछ लोग दोनों युवकों को बचाते हुए भी दिखाई दिए हैं।

पुराना रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस - चोरों की पहचान ऋषि मालवीय और पवन अंबारे के रूप में हुई है। दोनों हबीबगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। कमला नगर पुलिस ने दोनों के खिलाफ चोरी के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है।

॥ मंदिरम् ॥ 19

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, तेलंगाना

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर भारत के तेलंगाना राज्य के खम्मम ज़िले के जमलापुरम गाँव में स्थित एक प्राचीन हिन्दू मंदिर है, जो येर्रुपालेम के समीप स्थित है। यहाँ के अधिदेवता भगवान बालाजी हैं, जो इस स्थान पर स्वयं प्रकट होने के कारण यहाँ स्वयम्भू कहलाते हैं। इस मंदिर में पद्मावति अम्मावरु, श्री आलामेलु अम्मावरु, भगवान शिव, गणेश, भगवान अयप्पा और हनुमान जी के भी पूजास्थल बने हुए हैं। मंदिर का जीर्णोद्धार विजयनगर सम्राट श्री कृष्ण देवरायलु द्वारा किया गया था और इसे खम्मम चिन्ना तिरुपति भी कहा जाता है। इस स्थान में ऐतिहासिक सुची गुट्टा भी शामिल है जहां यह माना जाता है कि जबाली महर्षि ने तपस्या के बाद भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया था। यह मंदिर खम्मम जिला मुख्यालय से 80 किमी की दूरी पर स्थित है, जबकि विजवायदा से आने वाले पर्यटकों को 141 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्य भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप समय सीमा में करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मेडिकल कॉलेजों से संबंधित अनुसांगिक अस्पतालों के निर्माण और उन्नयन कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार और सहज उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्य भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप समय सीमा में पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागीय प्रगतिरत परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने और साथ-साथ फर्नीचर, उपकरण और मैनपावर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ-साथ इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है ताकि परियोजनाएं पूर्ण होते ही सेवाओं का प्रदाय किया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना के कार्य सीधे आम जनता से जुड़े हैं, इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा किया जाये। उन्होंने सभी कार्यों की रियल

टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए अद्यतन प्रगति एमआईएस पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश भी दिए।

आगामी 2 वर्षों में तैयार होंगे 8 नवीन मेडिकल कॉलेज: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 8 मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं। इन कार्यों को आगामी 2 वर्षों में पूर्ण करने के लिये योजनाबद्ध रूप से कार्य करें और नियमित मॉनिटरिंग करें। किसी भी प्रकार की समस्या को तुरंत संज्ञान में लायें ताकि उनका त्वरित निदान किया जा सके। प्रशासनिक उदासीनता से कार्य की प्रगति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों से संबंधित अनुसांगिक अस्पतालों के निर्माण और उन्नयन कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाये। ताकि एनएमसी (नेशनल मेडिकल काउंसिल) से अनुमोदन प्राप्त कर मेडिकल कॉलेजों का संचालन शीघ्र शुरू हो सके।

सिंहस्थ-2028 के पहले प्रारंभ हो मेडिकल कॉलेज उज्जैन: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सिंहस्थ 2028 के पूर्व उज्जैन मेडिकल कॉलेज का संचालन चालू हो इसके लिए निर्माण कार्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। यह कार्य एमपी बीडीसी द्वारा किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज राजगढ़, छतरपुर, दमोह, मंडला, सिंगरौली, श्योपुर और बुधनी के साथ-साथ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल छिंदवाड़ा कार्यों की प्रगति की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गहन समीक्षा की। इनमें से 2 कार्य ब्रिज एंड रूफ, 3 बीडीसी और 3 पीआईयू द्वारा किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने इन सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा मेडिकल कैंपस में पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत चिकित्सकीय स्टाफ के लिए बनाए जा रहे 32 आवासीय भवनों की प्रगति की भी समीक्षा की और इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मैहर जिला चिकित्सालय और रीवा में 200 बेड के कैंसर यूनिट के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

हवा ने रुख बदला...एमपी में दिन की ठंड गायब

रात में भोपाल-पचमढ़ी ज्यादा सर्द, 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे, 24 से बढ़ेगा असर

भोपाल (नप्र)। हवा का रुख बदलने से मध्यप्रदेश में दिन की ठंड गायब हो गई। ज्यादातर शहरों में पारा 25 डिग्री के पार है। धूप भी तेज है। हालांकि, रात में ठंड का असर है। भोपाल, मंडला, पचमढ़ी, राजगढ़, उमरिया, नौगांव जैसे शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे ही चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 24 जनवरी से ठंड का एक दौर और आ सकता है। इससे पहले बुधवार को ग्वालियर-चंबल में बूंदाबांदी हो सकती है। उत्तरी हवा आने से रात के तापमान में गिरावट के आसार है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया-24 जनवरी से उत्तर से सर्द हवा आना शुरू हो सकती है। इससे न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री तक गिरावट हो सकती है।

चार दिन से मौसम में हुआ बदलाव: पिछले चार दिन से प्रदेश के मौसम में काफी बदलाव हुआ है। जिन शहरों में दिन में पारा 20 डिग्री के नीचे था और शीतलहर चल रही थी, वहां पर ठंड का असर नहीं है। तेज धूप है। कई शहरों में रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है।

2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

22 जनवरी- ग्वालियर, भिंड, दतिया और मुरैना में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इससे पहले सुबह ग्वालियर, भिंड, मुरैना, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कोहरा रहेगा।

23 जनवरी- मौसम साफ हो जाएगा। कोहरे या बारिश का अलर्ट नहीं है।

बर्फ फैक्ट्री में पड़े कचरे में लगी आग

- 4 दमकलों से डेढ़ घंटे में पाया काबू, कारणों का नहीं चला पता

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा स्थित भार्गव फैक्ट्री में बुधवार को दोपहर 3 बजे आग लग गई। आग पर करीब डेढ़ घंटे में काबू पाया गया। नगर निगम कर्मियों के अनुसार सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और डेढ़ घंटे बाद 4:30 बजे 4 दमकलों ने आग पर काबू पाया गया। आग कैसे लगी इसका फिलहाल पता नहीं लग सका है। यहां मौजूद लोगों ने बताया कि फैक्ट्री में बर्फ बनाया जाता है। इसमें बुरादे का भी इस्तेमाल होता था, यह बुरादा खाली पाउच पन्नियों से बनाया जाता है जो कचरे के रूप में यहां फैक्ट्री में पड़ा रहता है। इस कचरे में आ लगने से पहले तो धुआं उठा, फिर जिसकी सूचना तुरंत ही नगर निगम की फायर टीम को दी गई।

महाकुंभ से लौट रहे दोस्तों की कार खाई में गिरी,एक की मौत, 3 घायल

गायों के झुंड से बचने की कोशिश में हुआ हादसा

मैहर (नप्र)। मैहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर मंगलवार रात एक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे पांच दोस्तों की कार सड़क पर अचानक आए गायों के झुंड से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई।

कार मालिक की मौत, चार दोस्त घायल: हादसे में कार मालिक राहुल उर्फ संजय कुशवाहा (30) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य चार यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। घायलों को हाईवे पेट्रोलिंग टीम और पुलिस ने सिविल अस्पताल, अमरपाटन में भर्ती कराया।अमरपाटन थाना प्रभारी केपी त्रिपाठी ने बताया कि मृतक राहुल कटनी जिले के कंधवारा का निवासी था। राहुल ने 15 दिन पहले ही सेकंड हैंड कार खरीदी थी। यह हादसा उनकी महाकुंभ यात्रा से लौटते समय हुआ।

धार्मिक नगरों में शराबबंदी, उमा भारती ने की तारीफ

एक्स पर लिखा- ये पूर्ण शराबबंदी की दिशा में एक और कदम

भोपाल (नप्र)। मप्र की मोहन सरकार प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में पूर्ण शराब बंदी करने जा रही है। एक अप्रैल से इस फैसले पर अमल किया जा सकता है। सरकार के इस कदम की पूर्व सीएम उमा भारती ने तारीफ की है। पूर्व सीएम उमा भारती ने एक्स पर लिखा- मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के द्वारा 'धार्मिक शहरों में पूर्ण शराब बंदी' अभूतपूर्व निर्णय है, इसके लिए मोहन यादव जी का अभिनंदन।

दो साल पहले हमारी सरकार के द्वारा घोषित की गई शराब पर प्रतिबंध नीति बहुत ही जनहितकारी एवं व्यावहारिक थी। हम पूर्ण शराबबंदी की ओर ही बढ़ रहे थे। यह पूर्ण शराबबंदी की दिशा में एक और कदम है।

सीएम ने उमा के ट्वीट पर लिखा- ये सरकार की प्राथमिकता: पूर्व सीएम उमा भारती के ट्वीट पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लिखा- आदरणीय, दीदी प्रणाम, प्रदेश के धार्मिक शहरों में पूर्ण शराब बंदी का निर्णय सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। इससे न केवल धार्मिक श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान होगा, बल्कि समाज को भी सकारात्मक दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पुणे एयरपोर्ट पर ब्रह्माकुमारी दीदी ने पुस्तक भेंट की।

भोपाल, कटनी, जबलपुर में सहारा ग्रुप की जमीनें कौड़ियों के भाव खरीदने का आरोप

ईओडब्ल्यू ने शुरू की विधायक पाठक की कंपनियों की जांच

भोपाल । सहारा ग्रुप की जमीन खरीदने के मामले में अब आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने जांच शुरू की है। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से बीजेपी विधायक संजय पाठक से जुड़ी कंपनियों ने ये जमीनें बहुत कम दामों पर खरीदी थीं। इस मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.मनोज यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधायक संजय पाठक पर करोड़ों रुपए की गड़बड़ी करने के आरोप लगाए थे। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक पर भोपाल, जबलपुर और कटनी में सहारा की 310 एकड़ जमीन को कौड़ियों के भाव में खरीदने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जिन जमीनों का उस समय का बाजार मूल्य करीब 1000 करोड़ रुपए था। उन जमीनों का सौदा संजय पाठक ने सिर्फ करीब 90 करोड़ में कैसे कर लिया।

11 साल की बच्ची से ज्यादती

बीमारी का बहाना बनाकर घर ले गया आरोपी, पत्नी ने भी दिया साथ, दोनों पर एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के नजीराबाद इलाके में 11 साल की मासूम के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। वारदात को आरोपी ने अपने घर में अंजाम दिया। आरोपी युवक की पत्नी ने भी उसकी मदद की। पुलिस ने इस मामले में पति-पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। घटना सोमवार की है। पीड़िता अगले दिन मंगलवार को घर पहुंची तब केस दर्ज कराया है।

दूसरे दिन घर पहुंची बच्ची ने घटनाक्रम बताया: थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर के मुताबिक 11 वर्षीय पीड़िता का भाई आरोपी की पत्नी से राखी बंधवाता है। सोमवार को आरोपी विनय पीड़िता के घर पहुंचा और उससे कहा कि उसकी दीदी की तबीयत खराब है। वह उसके साथ घर जाने को तैयार हो गई। इसके बाद आरोपी युवक पीड़िता को लेकर उसके घर पहुंचा। जहां आरोपी युवक ने जबरदस्ती उसके साथ रेप किया। इतना ही नहीं पीड़िता की पत्नी ने भी अपने पति का सहयोग किया। दूसरे दिन जब पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।